Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 160 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म वह माना जाता है, जिसके द्वारा पाप का नाश हो।

What destroys sin is religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री ने सरकार का 1 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य की जनता के नाम दिया संदेश

हमारी सरकार का पहला साल आप सभी की सहभागिता और विश्वास के साथ विकास के लिए रहा समर्पित : विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य की जनता के नाम अपने संदेश में कहा है कि 13 दिसम्बर को हमारी सरकार का पहला साल पूरा हो रहा है। हमारा यह पहला साल आप सभी की सहभागिता और विश्वास के साथ विकास के लिए समर्पित रहा। बीते 12 महीनों में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में हम सफलता के साथ लगातार आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने प्रदेश के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम किया और उपलब्धियां हासिल की, हमारी प्राथमिकता में वे लोग रहे जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें अंत्योदय का संदेश दिया है। इसी के अनुरूप हमने प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने के लिए लगातार काम किया है। हमने राज्य के जनजातीय समाज के गौरव को फिर से ऊंचाई पर स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। उनकी आय और रोजगार में वृद्धि के लिए अनेक कदम उठाए गए। तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई, जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई उद्योग नीति में पर्यटन को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी नई उद्योग नीति से राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में भी विकास की नई संभावनाओं का सृजन हुआ है। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। हमने इस नीति को रोजगार परक बनाया है। हमने किसानों से किया गया वादा पूरा करते हुए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की। प्रदेश की माताओं-बहनों से किए गए वादे को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना शुरू की गई। इसका लाभ 70 लाख माताओं-बहनों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। इस निर्णय पर तेजी से अमल करते हुए आवासों के निर्माण के लिए बड़ी राशि भी जारी की गई। इस तरह हमने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी एक बड़ी कामयाबी यह भी है कि हम बस्तर के अंदरूनी गांव तक लोकतंत्र और विकास की किरणों को पहुंचाने में सफल हुए। नक्सलवाद के पूरी तरह खात्मे के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ें हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने कहा कि हमने वादा किया था कि हम राज्य में सुशासन स्थापित करेंगे। इसके लिए तकनीक का प्रयोग करते हुए शासन-प्रशासन को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में हमें अच्छी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपने को हम लगातार साकार कर रहे हैं। पुराणों में जिसे राम-राज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने वादे के मुताबिक हमने सीजीपीएससी परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाया है। पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं हुई और उनके परिणाम घोषित हुए। इससे राज्य की प्रतिभाओं का विश्वास सीजी पीएससी पर लौट आया है। सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास और सबका प्रयास की नीति पर चलते हुए हम आने वाले दिनों में भी विकास के नये सोपान तय करेंगे। आप सभी को इन उपलब्धियों की बहुत-बहुत बधाई।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर छत्तीसगढ़ में जनादेश परब आज

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होगा आयोजन

साइंस कॉलेज ग्राउंड में सुशासन के एक साल की दिखेगी झलक

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ में जनादेश परब मनाया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नड्डा मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। कार्यक्रम राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में एक बजे से होगा जिसमें राज्य सरकार के सुशासन के एक साल की झलक दिखाई देगी।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा 13 दिसम्बर को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर स्थानीय साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा दोपहर 3 बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचेंगे और वहां से सीधे साइंस कॉलेज मैदान जाएंगे, जहां वे जनादेश परब कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के पश्चात शाम 4.55 बजे कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा शाम 6.40 बजे पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वर्गीय श्री गोपाल व्यास के निवास जांएगे। इसके बाद वे 7.40 बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचेंगे और दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

जनादेश परब में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव, विजय शर्मा शामिल होंगे। कार्यक्रम में मंत्रीगण केदार कश्यप, रामविचार नेताम, दयाल दास बघेल, ओ.पी. चौधरी, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथि विधायक राजेश मूणत, गुरू खुशवंत साहेब, सुनील कुमार सोनी, पुरन्दर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा और इंद्र कुमार साहू उपस्थित रहेंगे।

जनता में विश्वास कायम करना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

एक वर्ष में मोदी की गारंटी के सभी बड़े वादे पूरे, प्रदेश की जीडीपी को वर्ष 2028 तक दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में विश्वास को कायम करने की थी। अब अपनी सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने जनता के विश्वास को कायम रखा है। श्री साय आज सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रतिनिधियों को स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में संबोधित कर रहे थे।

सबकी सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के लक्ष्य को करेंगे साकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 13 दिसम्बर को हमारी सरकार का पहला साल पूरा हो रहा है। विगत एक वर्ष में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विकास के अनेक नये आयाम स्थापित किए हैं। हमने बीते एक साल को विश्वास का वर्ष घोषित किया है। वास्तव में प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष का समय विश्वास के संकट का समय था। पूर्ववर्ती सरकार ने 'जन घोषणा पत्र' में किए गए लगभग सभी वादों से मुकरते हुए न केवल प्रदेश के लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए ही भरोसे का संकट पैदा कर दिया था।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में इस विश्वास को कायम करने की थी। अब एक वर्ष पूरे होने पर जब आपके माध्यम से जनता के समक्ष हमारी पूरी सरकार रिपोर्ट कार्ड लेकर प्रस्तुत हुई है, तो मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने इस विश्वास की बहाली की है। हमें प्रदेश की महतारी-बहनों को, किसानों को, युवाओं को, आवास से वंचित कर दिए गए कमजोर वर्ग के लोगों से किए वादे को पूरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान हमारी सरकार ने प्रदेश के नागरिकों से वादा किया था कि यदि हमारी सरकार बनी तो हम प्रदेश में सुशासन की स्थापना करेंगे। भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करेंगे। सरकार बनते ही हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्परता के साथ कार्यवाही की। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए जा रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हमारा सारा ध्यान जनता के विश्वास को बहाल करने पर था। अब इसी विश्वास की नींव पर छत्तीसगढ़ के विकास और समृद्धि रूपी शिखर का निर्माण करना है। हम छत्तीसगढ़ को विकसित बना कर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में योगदान देने परिश्रम की पराकाष्ठा कर दिन-रात जुटे रहेंगे। आगामी 1 नवंबर 2025 को हम प्रदेश स्थापना की रजत जयंती मनाएंगे। हमने वर्ष 2028 तक प्रदेश की जीडीपी को दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसानों से किया गया वादा पूरा करते हुए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की रिकॉर्ड खरीदी की। हमने अपने वादे के मुताबिक किसान बंधुओं को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का अंतरण भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों से किए गए वादे को पूरा करते हुए तीन माह के भीतर ही महतारी वंदन योजना शुरू की गई। इसका लाभ 70 लाख माताओं-बहनों को मिल रहा है। अब तक इस योजना की 10 किश्तों में 6530 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं।

बिलासपुर को 452 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई गारंटी को पूरी तेजी से पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड के जेएमपी शासकीय स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बिलासपुर जिले को 451 करोड़ 25 लाख की लागत वाले 134 विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित 3 हजार 883 हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर तखतपुर विधायक श्री धरमजीत सिंह के अनुरोध पर तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बेड संख्या 30 से बढ़ाकर 50 बेड करने, तखतपुर में चौपाटी निर्माण के लिए 1 करोड़, तखतपुर में बाबा गुरूघासीदास जयंती उत्सव के लिए 5 लाख रुपए देने सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री साय ने 625 करोड़ रुपए की राशि से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

हमारी सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के लिए कर रही है कार्य : विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। हमारी सरकार के कार्यकाल को 13 दिसम्बर को एक वर्ष पूरे हो जायेंगे। इस अवसर को हम जनादेश परब के रूप में मना रहे हैं। हमने 'मोदी की गारंटी' पर काम करते हुए शपथ लेने के दूसरे ही दिन मंत्रिमंडल में निर्णय लिया और प्रधानमंत्री आवास निर्माण की स्वीकृति दी। हमने आवास से वंचित हमारे प्रदेश के 18 लाख परिवारों को आवास देने के लिए निर्णय लिया। आज भी आवास के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया है। पीएम आवास के हितग्राहियों के पक्के मकान बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोरबा के सीएसईबी पूर्व फुटबॉल मैदान में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज ऊर्जाधानी कोरबा में 625 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया गया है। यह एक बड़ी राशि है और इस राशि से जिले के विकास का और गति मिलेगी। जिले को डीएमएफ से बड़ी राशि प्राप्त होती है और इस राशि से जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ अधोसंरचनात्मक विकास में खर्च किया जा रहा है। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से विवाह के बंधन में बंधने वाले 102 नव दांपत्य जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने विवाह बंधन में बंधने वाले 102 नवदंपतियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रहे हैं। 13 लाख से अधिक किसानों के दो साल का बकाया धान बोनस राशि 3716 करोड़ का भुगतान भी किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में सुशासन की दिशा में काम कर रही है और इसके लिए हम वचनबद्ध है। सरकार बनने के बाद पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच जारी है। जो भी दोषी होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। हमने प्रदेश में सुशासन देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी समुदाय के लोगों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सुधार करने के लिए 80 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा है, इस योजना में छत्तीसगढ़ के 6 हजार 500 गांव भी शामिल है।

'एक देश एक चुनाव' को केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी, इस हफ्ते संसद में पेश होगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को मंजूरी दे दी गई है। अब सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को संसद में रखा जाएगा। संभावना है कि इसे 20 दिसंबर से पहले इसी हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जाएगा।बता दें कि संसद का मौजूदा शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को ही समाप्त हो रहा है।

एक देश एक चुनाव को केंद्र सरकार जल्द से जल्द संसद में पेश कर चर्चा कराना चाहती है। इससे पहले वह सभी राजनीतिक दलों की पूर्ण सहमति चाहती है, जिसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाएगा। जेपीसी में पूर्ण रूप से सहमति मिलने के बाद इसे राज्यों की विधानसभाओं से भी पास कराना होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत राज्यों का समर्थन चाहिए होगा। अडाणी और मणिपुर मामले पर हंगामे के बीच सरकार इसे पेश कर सकती है। एक देश एक चुनाव के लिए संविधान में संशोधन होना है, उसमें अनुच्छेद 327 में संशोधन कर एक देश एक चुनाव को शामिल किया जाएगा, ऐसे में बिल को राज्यों से पास करवाना भी बहुत आवश्यक है।केंद्र सरकार इसके लिए सभी राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए कहेगी।

भारतीय भाषा दिवस पर आयोजित हुआ साहित्यिक कार्यक्रम, प्रदेश के भाषाविद् और बुद्धिजीवी रहे मौजूद

जो लोगों को जोड़े वह भाषा, भाषा से ही संस्कृति की झलक दिखाई पड़ती है : डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में किया गया। इस अवसर पर भारतीय भाषा और राष्ट्रीय एकता विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने कहा कि भाषा आदमी को आदमी से जोड़ने के लिए होती है, वह गोंद की तरह है लेकिन आज कुछ ताकतें भाषा के माध्यम से समाज को तोड़ने का काम कर रही हैं। हमारी भाषा का महत्व उसके व्याकरण नियमों में नहीं है, उनसे व्यक्त होने वाले भाव हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल भी मंच पर उपस्थित थे। विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों को सम्मानित भी किया गया।

मुख्य वक्ता ने आगे कहा कि इसको जब कठोरता में बांधने का प्रयास करते हैं, इसका वर्गीकरण कर दिया गया है। तमिल भाषा के कवियों का संगम हुआ उसमें पहले संगम के अध्यक्ष ऋषि अगस्त्य थे। अगस्त्य का केंद्र मध्य भारत था, उन्होंने दक्षिण में जाकर तमिल कवियों के संगम की अध्यक्षता की। इसका अर्थ उत्तर और दक्षिण क्षेत्र में भाषा का कोई भेद नहीं था।

उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन काल में भारत से कई खेप में लोग अलग अलग क्षेत्र में गए, वहां स्थानीय स्तर पर संपर्क भाषा बनती गई। लेकिन यूरोप के लोग जब अलग अलग क्षेत्रों में गए तो उन्होंने अपनी भाषा को वहां पर थोपने का प्रयास किया। भारत में विदेशियों ने भाषा का वर्गीकरण कर उन्हें विदेशी बता दिया, क्या भारत में रहने वालों की आपस में कोई भाषा या बोली नहीं थी? इस प्रकार भारत की भाषा के माध्यम से क्षेत्रों में विभाजन करने का प्रयास किया। तमिल भाषा को उत्तर से अलग करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन यह सत्य नहीं है।

भारत में संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की मूल है, उनसे अलग अलग भाषा बनती गई। आज चाहे गोंडी बोली हो या तमिल उनमें संस्कृत के धातु शब्द मिलते हैं। वैदिक ज्ञान का जब बंगाल और तमिलनाडु में अध्ययन किया गया तो दोनों ही स्थान में वैदिक ज्ञान एक ही निकला। इसका मतलब है कि संस्कृत में व्यक्त ज्ञान को संरक्षित रखने का सबसे वैज्ञानिक माध्यम है। भाषा ज्ञान और परंपरा को संरक्षित का माध्यम भी है।

मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा, भारतीय भाषा दिवस मनाने का निर्णय केंद्र सरकार ने लिया है, वह कई मायनों में महत्वपूर्ण है। आजादी के आंदोलन में भाषा कोई बाधा नहीं बनी, पूरा देश एक उद्देश्य को लेकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ा।छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण करने के बाद छत्तीसगढ़ी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद विधानसभा और न्यायपालिका में छत्तीसगढ़ी का प्रयोग किया जा रहा है। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दी जा रही है। भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर भाषाओं के बीच दूरी को समाप्त कर एकात्म का भाव जगाने का प्रण करना होगा। छत्तीसगढ़ में पूरे देश के अलग अलग भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। प्रदेश में भी गोंडी, हल्बी, भतरी जैसी भाषाएं भी प्रदेश में व्यापक स्तर पर बोली जा रही हैं। सभी भाषाओं को मजबूत करने ही भारत मजबूत बनेगा।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए सरस्वती शिक्षण संस्थान के सचिव विवेक सक्सेना ने कहा, भारत की सभी भाषाओं में एकता स्थापित करने के उद्देश्य से तमिल भाषा के महान कवि सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिन, 11 दिसंबर के दिन को भारतीय भाषा दिवस मनाने का निर्णय केंद्र सरकार ने लिया है। उन्होंने कहा कि भाषा संस्कृति से जुड़ी है, अगर भाषा पुष्ट होगी तो भारतीय संस्कृति का भी विकास और प्रसार होगा। व्याख्यान के बाद विभिन्न भाषाओं में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

भाजपा सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 1 वर्ष में छत्तीसगढ़ की बदली तस्वीर : भावना बोहरा

भाजपा सरकार के 1 वर्ष में पंडरिया विधानसभा सहित छत्तीसगढ़ में तीव्र गति से हो रहा विकास

रायपुर (विश्व परिवार)। 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने एक वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस एक वर्ष में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किये बहुत से वादों को पूरा किया वहीं प्रदेश में विकास की गति ने भी रफ्तार पकड़ी है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भाजपा सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के वर्ष में छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है। विगत पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार में बदहाली झेल रहा था, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में आज एक वर्ष पूर्ण होने पर वही छत्तीसगढ़ खुशहाली व समृद्धि की ओर डबल इंजन की गति से आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पंडरिया विधानसभा में भी विकास की गति तेज हुई है। हमने भावना दीदी की गारंटी में जो संकल्प किये हैं वह भी धरातल पर उतर रहें हैं और जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

भावना बोहरा ने कहा कि हमने भावना दीदी की गारंटी में पंडरिया विधानसभा में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु निशुल्क एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत करने का संकल्प किया था आज पूरे विधानाभ में 24 घंटे 7 दिन 8 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा से हजारों परिवारों को लाभ मिल रहा है। जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने एवं क्षेत्र की प्रगति में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आज विधानसभा के 7 स्थानों में जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना की है। क्षेत्र के युवाओं के लिए हम 1 जनवरी 2025 से IIT-JEE, NEET एवं CGPSC की निशुल्क कोचिंग शुरू करने जा रहें हैं।

इसके साथ ही महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए तीन निशुल्क बस सेवा भी अनवरत जारी है। किसान हित को देखते हुए हमने सुतियापाट नहर विस्तारीकरण की मांग को लेकर लगातार संघर्ष किया और भाजपा की सरकार बनते ही हमारा वह संघर्ष सफल हुआ। आज सुतियापाट नहर विस्तारीकरण कार्य प्रगति पर है जिससे क्षेत्र के 26 से अधिक गांव के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल आपूर्ति होगी। अधोसंरचना विकास के लिए हम प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। पंडरिया विधानसभा में 220 किलोमीटर लंबाई के 181 मार्गों की 183 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली है व कार्य प्रगति पर हैं। अधोसंरचना विकास के तहत नगर पालिक पंडरिया में 2 करोड़ 65 लाख, नगर पंचायत पांडातराई में 2 करोड़ 35 लाख और नगर पंचायत इंदौरी में 1 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल
जनादेश परब
पर प्रदेश की जनता का
कोटि-कोटि आभार...
13 दिसम्बर 2024
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
SAMVAD- 42415/ 85
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डी.के. महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब का उन्मुखीकरण एवं प्रतियोगिता आयोजित हुआ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार के रेड रिबन क्लब के द्वारा उन्मुखीकरण कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ.ए.आर.सी. जेम्स के निर्देशन एवं कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र देव मिर्झा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती प्रीति कौशिक आईसीटीसी काउंसलर, राजकुमार चौबे एसटीई काउंसलर उपस्थित थे। कार्यक्रम में एचआईवी एड्स एवं अन्य संक्रमित बीमारियों के लक्षण, रोकथाम, जागरूकता के बारे में जानकारी दिया गया। संबंधित विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया। इसमें प्रथम लीना साहू, द्वितीय निक्की विश्वकर्मा, तृतीय पल्लवी, चतुर्थ दीपांजलि सिन्हा, पंचम नेहा साहू ने स्थान प्राप्त किया। सभी को रेड रिबन क्लब के तरफ से मेडल एवं प्रमाण पत्र दिया गया तथा वक्ता एवं जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार से गिफ्ट प्रदान किया गया। प्रीति कौशिक ने एड्स के बारे में बताया कि इसमें जागरूकता ही बचने का उपाय है, एड्स मरीज से सामान्य मानव के समान व्यवहार करना चाहिए। राजकुमार चौबे ने बच्चों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। रेड रिबन का मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता संदेश दिया गया।

उद्यानों को साफ-सुथरा बनाने के लिए चल रहा है, विशेष सफाई अभियान

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में 150 से अधिक उद्यान है उन उद्यानों में साफ सफाई के लिए विशेष गैंग के द्वारा कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाया जा रहा है। आज नेहरू नगर के गणेश उद्यान में सफाई अभियान चलाया गया। भिलाई शहर के सभी जोन क्षेत्र में उद्यानों का निर्माण किया गया है। जहां पर आस-पास के वरिष्ठ नागरिकगण, बच्चे आदि खेलने, टहलने एवं व्यायाम करने आते रहते है। उद्यान साफ-सुथरा एवं हरा भरा रहने से पर्यावरण भी सुन्दर रहता है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का सख्त निर्देश है, कि सभी उद्यानों में कैलेंडर बनाकर के सफाई अभियान चलाया जाए। नगर निगम भिलाई के उद्यान साफ सुथरे हो, हरे-भरे हो, उसमें बराबर पानी मिले, खाद मिले जिससे हरियाली बनी रहे। इसके साथ ही नागरिकों से भी अपील है कि किसी प्रकार की गंदगी ना फैलाएं, पेड़ पौधों को ना तोड़े, उसे साफ सुथरा रखें। गार्डन को साफ सुथरा रखना सब की जिम्मेदारी है नगर निगम भिलाई के सीमित संसाधन है सभी उद्यानों में एक साथ सफाई नहीं की जा सकती है इसलिए सब लोग मिलकर सहयोग करेंगे, हमारे उद्यान हरे भरे रहेंगे।

कुरूद में हो रहे अवैध अतिक्रमण पर बेदखली अभियान चलाया-निगम की टीम ने

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 02 वैशालीनगर अंतर्गत ग्राम कुरूद शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा की शिकायत प्राप्त हुई थी। निगम आयुक्त द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पर रोक लगाने के निर्देश दिये थे, कि भिलाई शहर में कहीं भी अवैध कब्जा न हो। निर्देश के बाद जोन 2 के राजस्व अमले ने कुरूद में शासकीय भूमि पर हुए अवैध कब्जे को बेदखल किया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बुधवार को समीक्षा बैठक में निर्देश दिए थे। कि निगम क्षेत्र में होने वाले अवैध कब्जे की मानिटरिंग कर रिक्त करवाएं। जिसके परिपालन में जोन आयुक्त येशा लहरे के निर्देश पर जोन 2 का राजस्व अमला ने बेदखल किया। जोन के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे ने बताया कि कुरूद वार्ड 21 में मानसरोवर मंदिर के सामने मैदान में रहवासियो द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर शासकीय भूमि में तार धेरा कर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे जे.सी.बी. के माध्यम से हटाया गया और भूमि को समतल किया गया। बेदखली कार्यवाही के दौरान पुषण देशमुख, अरूण सिह, हरि ताम्रकार, गुप्ता नंद तिवारी, कृष्ण कुमार सुपैत, मदन मोहन तिवारी, प्रतिक तिवारी, जागेश्वर पटेल, तोडफोड दस्ता के प्रभारी अंजनी सिंह, कन्हैया यादव, मंगल कुरे, आदि उपस्थित थे।

सामाजिक संस्था ने 20 दिव्यांग बच्चों को ठंड से बचने प्रदान किए कम्बल

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नवापारा नगर एवम अंचल की प्रतिष्ठित संस्था सालासर सुन्दरकाण्ड हनुमान चालीसा जनकल्याण समिति

जो कि जनकल्याण, धार्मिक, सामाजिक कार्यो के लिए जानी जाती है। जिसके संस्थापक राजू काबरा जो कि अभी राजस्थान प्रवास पर हैं, को जब पता चला कि चम्पेश्वर आशियाना चंपारण के दिव्यांग बच्चे ठंड के कारण ठिठुर रहे हैं, सभी बच्चे ठिठुरते हुवे रात बिता रहे हैं तो उन्होंने तुरंत अपने समिति के अध्यक्ष धरम साहू एवम उपाध्यछ सुमित पंजवानी को इस बारे में जानकारी दी एवम कहा कि तुरंत 20 कम्बल खरीदकर उन सभी दिव्यांग, पराश्रित, अनाथ बच्चों तक पहुंचावे। 1 घण्टे के अंदर बच्चों तक कम्बल पहुंचा दी गई।

प्रशांत पांडे युवा फुटबॉलर को चोट के बाद मिला नया जीवन

रायपुर (विश्व परिवार)। बीते एक दशक से देश में फुटबॉल के फैंस की गिनती लगातार बढ़ती ही जा रही है। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसी लीग्स इस खेल में करियर को लेके काफी बड़े सपने देखने वाले यंग टैलेंट्स को एक अच्छा प्लेटफॉर्म देती हैं। छत्तीसगढ़ के ऐसे ही एक यंग टैलेंट हैं, 16 साल के प्रशांत पांडे, जो एक राज्यस्तरीय फुटबॉल प्लेयर हैं। लेकिन दाएं घुटने में लगी चोट के कारण एक फुटबॉलर के रूप में खुद को स्थापित करने का उनका सापना बिखर गया था। डायग्नोसिस में पता चला कि उन्हें एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) और मेनिस्कस टियर है। किसी फुटबॉलर के लिए घुटनों की मज़बूती बहुत ज़रूरी होती है, लेकिन दुर्भाग्य से प्रशांत का दायां घुटना बुरी तरह चोटिल हो गया था।

इतनी कम उम्र में ऐसी किसी चोट से पूरा फुटबॉल करियर दांव पर लग सकता है। लेकिन सपने टूट जाने के बाद भी हिम्मत न हारने वालों के लिए मुश्किल वक़्त में एक आशा की किरण ज़रुर होती है। प्रशांत के साथ भी ऐसा ही हुआ जब उन्हें अभिनव बिंद्रा फॉउन्डेशन के अंतर्गत रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। इस फाउंडेशन का उद्देश्य भारत में स्पोर्ट्स के लिए एक मज़बूत इकोसिस्टम तैयार करना है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ऑर्थोपेडिक्स के साथ मेडिकल साइंस की और भी कई ब्रांचेज़ में मध्य भारत के अग्रणी हॉस्पिटल्स में आता है। यहां इलाज की नवीनतम तकनीक के साथ प्रशिक्षित, अनुभवी और स्किल्ड डॉक्टर्स, सर्जन्स और मेडिकल स्टाफ की टीम है। इस वजह से प्रशांत का ऑपरेशन बड़ी सटीकता और केयर के साथ डॉ. सुमन कुमार नाग द्वारा किया गया। इस सर्जरी में अथ्रीस्कोपिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया था। यह सफल सर्जरी बिना किसी स्वार्थ के, कोई भी फ़ीस लिए बिना की गई थी। सर्जरी के बाद प्रशांत को ऐसा महसूस हुआ जैसे उन्हें नया जीवन मिल गया हो, क्यों कि इस चोट की वजह से वो काफी शारीरिक और मानसिक तकलीफ़ से गुज़रे थे। अत्यधिक भावुक मन से उन्होंने डॉ. सुमन कुमार नाग, डॉ. पंकज ढाबलिया और पूरे ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट द्वारा नि:स्वार्थ किए इस ऑपरेशन की बहुत तारीफ़ की। उन्होंने रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन का भी बहुत आभार व्यक्त किया।

बकाया संपत्तिकर लेने गए अधिकारियो से गाली गलोच करने वाले पर एफआईआर दर्ज

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर निगम मिलाई क्षेत्र में जोन क्रमांक 1 नेहरू नगर के राजस्व वसूली का दल 1, 08, 193.00 रूपये का बकाया संपत्तिकर लेने के लिए हरि चौहान, पिता विश्वनाथ चौहान निवासी नेहरू भवन रोड चाचा पान ठेला के सामने वार्ड कं. 17 सुपेला के घर संपत्तिकर लेने गए थे। हरि चौहान द्वारा शराब के नशे में संपत्तिकर देने से मना किया गया और अधिकारियों से गाली-गलोच व अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। कर्मचारियो पर अपने बेटे का पुलिस में होने का घौस देने लगा। कि मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता मेरा बेटा पुलिस में है। उसके इस व्यवहार को शासकीय कार्य में बाधा मानते हुए. सुपेला थाना में एफ.आई.आर. दर्ज कराया गया।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार सभी संपत्तिकर बकायादारी को कई बार नोटिस दिया गया है। कि संपत्तिकर बकायादाता अपनी संपत्तिकर की राशि जमा करें। जिन लोगो द्वारा संपत्तिकर जमा नहीं किया जा रहा है। ऐसे बकायादातो के आवास एवं दुकानो पर जाकर नगर निगम भिलाई के दल द्वारा कुर्की की कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में जोन के 01 के सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न कुमार तिवारी द्वारा जब कार्यवाही के लिए गए उनके साथ शासकीय कार्य में बाधा एवं अभद्र व्यवहार किया गया। जोन आयुक्त से प्राप्त निर्देशानुसार आज दिनांक को प्रथम सूचना रिपोर्ट धारा 173 बीएनएसएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई। संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने का आवेदन दिया गया। प्राथमिकी प्रथम दृष्टिया धारा 296 प्वाइंट 221 बीएनएसएस का अपराध घटित मानते हुए अपराध पंजीबद्ध विवेचना में लिया गया है। हरि चौहान द्वारा 2021 से संपत्तिकर की राशि जमा नहीं की जा रही थी। नियमित वसूली अभियान के अंतर्गत निगम के अधिकारी संबंधित के निवास स्थल पर गए थे।

आयुक्त का सख्त निर्देश है कि जो कोई भी व्यक्ति शासकीय कार्य में बाधा डालेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज कर दण्डात्म कार्यवाही की जावेगी। अगर किसी को अपनी बात कहनी है, उसका पत्र द्वारा उचित माध्यम से अपनी बात कह सकता है। कार्यवाही के दौरान राजेश कुमार गुप्ता, नंदू सिन्हा, श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्राईवेट लिमिटेड के कामेश्वर पाण्डेय, गुडडू सिंह आदि उपस्थित रहे।

रायपुर के संविदा आरएचओ के कार्यकारिणी का हुआ मनोनयन, जागेश्वर प्रसाद साहू बने जिला अध्यक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर शहरी के संविदा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों के कार्यकारिणी विस्तार एवम पदाधिकारियों का मनोनयन स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के प्रांतीय कार्यालय रायपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव प्रवीण ढिंढवंशी जी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष टार्जन गुप्ता जी की अनुमति व संघ द्वारा प्रदत्त अधिकारों के तहत पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया जिसमें जागेश्वर प्रसाद साहू ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक बैरन बाजार रायपुर को जिला अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया और कार्यकारिणी विस्तार कर एक नई टीम खड़ी की गई है जिसमें उत्कर्ष देवांगन जिला उपाध्यक्ष, सूर्यकांत दुबे जिला महामंत्री, राखी लाल पटेल जिला उपमहामन्त्री, मुकेश कुमार सिन्हा जिला सचिव, कमलनारायण मनहरे जिला सहसचिव, दुजेन्द कुमार साहू कोषाध्यक्ष, गोविंद सप्रे मीडिया प्रभारी उत्तर रायपुर, आशाराम चेलक मीडिया प्रभारी रायपुर दक्षिण, दुमेश कुमार सिन्हा प्रचार प्रसार दक्षिण, गौकरण साहू प्रचार प्रसार मंत्री उत्तर रायपुर का बनाया गया है।

कार्यकारिणी गठन में स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव प्रवीण ढिंढवंशी जी, प्रांतीय आईटी सेल प्रभारी संतलाल साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष आर के शर्मा जी, जिला अध्यक्ष रायपुर चंद्रशेखर चंद्राकर जी, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीपा चक्रवर्ती, जिला महामंत्री कमलेश्वर साहू, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रेमलता साहू, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुमन साहू जिला प्रवक्ता श्री धनेश बघेल जी एवम रायपुर शहर के सैकड़ो स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए जॉब फेयर 16 दिसम्बर को

रायपुर (विश्व परिवार)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 दिसम्बर 2024 को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस जॉब फेयर के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक एस.आर. हास्पिटल-चिखली (दुर्ग) में मेडिकल ऑफिसर, डेन्टिस्ट, फिजियोथेरेपी, ओटी टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, पैथेलॉजी लैब, नर्सिंग स्टॉफ, डायलिसिस टेक्नीशियन, फिल्ड ऑफिसर, इलेक्ट्रीशियन ड्राइवर, कार्पोरेट मानियो, टीपीए मैनेजर, अकाउंटेंट, फार्मासिस्ट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पलंबर, जीएम मार्केटिंग, नर्सिंग, मल्टीवर्कर गार्ड के लिए भर्ती होगी।

इसी प्रकार रूद्रा इंटरप्राईजेस में मीटर टेक्नीशियन, मोबाईल ऑपरेटर, फिल्ड सर्वेयर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेलीकॉलर, बसंत मोटर्स में सर्विस कंसल्टेंट, पार्ट मैनेजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर टेक्नीशियन, सेल्स एग्जीक्यूटिव और जी.एस. ऑटोमोबाईल में सेल्स एग्जीक्यूटिव, सीनियर एडवाइजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर के लिए न्यूनतम 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, डी.सी.ए. तथा हास्पिटल सेक्टर के लिए एम.बी.बी.एस. बी.ए.एम.एस, बी.डी.एस, फार्मासिस्ट, एक्स-रे टेक्निशियन, लैब टैक्निशियन, नर्सिंग, डायलासिस टेक्निशियन, आई.टी.आई. (इलेक्ट्रिकल), वाहन चालक, एम.बी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., उत्तीर्ण आदि के कुल 317 से अधिक पदों पर 10 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह वेतन पर भर्ती होगी। इस जॉब फेयर में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक तथा अनुभवी आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने बॉयोडाटा/आधार कार्ड एवं शेक्षणिक, तकनीकी योग्यता तथा अनुभव आदि के प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान निर्माण कार्यो में लेट लपेती, आयुक्त कुमार पाण्डेय हुए सख्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विभिन्न विकास कार्यो के विषयों पर विस्तृत चर्चा हेतु समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य रूप से अधोसंरचना, राज्यप्रवर्तित, सांसद निधि, विधायक निधि, पार्षद निधि, मूलभूत एवं 15वें वित्त आयोग से कराये जा रहे विकास कार्यो की समीक्षा की गई। आयुक्त ने सभी अधिकारियो को निर्देशित किए है, कि जो भी विकास कार्य कराये जा रहे है, वह गुणवत्तापूर्ण के साथ समय अवधि में पूर्ण की जाए।

आयुक्त ने प्रात: भ्रमण कर अलग-अलग जोन क्षेत्रो का निरीक्षण किए है उन्होने मौके पर अधिकारियो द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यो का मॉनिटरिंग किए थे। सभी अधिकारियो को निर्देशित किए थे, जो भी कमी हो रही है उसका तत्काल निराकरण किया जाए। बैठक में अलग-अलग विभागो से कराये जा रहे विकास कार्यो के संबंधित अधिकारी से कार्य की प्रगति की स्थिति की जानकारी प्राप्त किए। जो भी ठेकेदार कार्य में विलम्ब कर रहे है, या कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं कर रहे है या कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। उन ठेकेदारो को बैलैक लिस्ट करने के निर्देश आयुक्त ने दिए है। आयुक्त ने कहा नए कार्यो के लिए प्रस्ताव बनाने से लेकर कार्यादेश होने एवं कार्य पूर्ण होने की प्रक्रिया समय सीमा में होनी चाहिए। बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता, राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, उद्यान अधिकारी एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 32/लो.क.वि./न.पा.नि./जोन क्र. 02/2024 रायपुर, दिनांक 12/12/2024

नगर पालिका निगम, रायपुर द्वारा निम्न प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति में कम / अधिक दर एस. ओ. आर. में लिफाफा "अ" में सीलबंद निविदायें तथा लिफाफा "ब" में एफ. डी. आर. आमंत्रित की जा सकती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र दिनांक 30.12.2024 को संध्या 4.00 बजे तक निर्धारित राशि जमा कर प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.01.2025 को संध्या 4.00 बजे तक पंजीकृत डाक से जोन क्रमांक -02 में जमा किया जाएगा। प्राप्त समस्त निविदायें उसी दिवस को संध्या 5.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	आगणित राशि रू. (लाख में)	अमानती राशि	समयावधि	मद का नाम
1	रमण मंदिर वार्ड क्र. 14 अंतर्गत नल कनेक्शन प्रदाय कार्य।	16.31	17000=00	04 माह	भागीरथी नलजल योजना
2	वीरांगना अंवति बाई वार्ड क्र. 06 अंतर्गत डब्ल्यू.आर.एस. कालोनी में सींमेंट चेयर प्रदाय कार्य।	5.70	6000=00	02 माह	पार्षद निधि
3	वीरांगना अंवति बाई वार्ड क्र. 06 अंतर्गत डब्ल्यू.आर.एस. कालोनी में सी. सी. नाली व रोड निर्माण कार्य।	4.50	5000=00	02 माह	पार्षद निधि

1. निविदा संबंधी अन्य शर्तें एवं जानकारियाँ जोन क्र. 02 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, शहीद स्मारक स्कूल परिसर, बीएसएनएल ऑफिस के पास, के.के. रोड, रायपुर से कार्यालय अवधि/विवस में प्राप्त की जा सकती है।

घरो से निकलने वाले सखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्र. 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत शंकर नगर रायपुर में स्थित भवन क्रमांक **डी-12, सेक्टर 1, 1. श्रीमती लता रामचंद्रन नायर पति श्री जी. एन. रामचंद्रन नायर, 2 श्री जी. एन. रामचंद्रन नायर पिता स्व. गंगाधरन नायर,** को इस कार्यालय के नामांतरण आदेश **क्रमांक - 296 दिनांक 08.12.2004** के माध्यम से नामांतरित किया गया है। उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 06.04.1999** को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में नमांतरी **1. श्रीमती लता रामचंद्रन नायर, पति श्री जी. एन. नायर, 2. श्री जी. एन. रामचंद्रन नायर पिता स्व. गंगाधरन नायर, निवासी - डी - 12, सेक्टर 01, शंकर नगर, रायपुर तह. व जिला - रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा आवेदन पत्र, विक्रय इकरानामा, शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन को **क्रेता श्री शिव राज दीपक पिता स्व. श्री डी. आर. दीपक, निवासी हाउस नं. - 50, फेस -1, हर्ष विहार कालोनी, दलदल सिवनी रोड, मोवा, रायपुर, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यलय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यलय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार / दतरेंगा,** रायपुर में स्थित **भवन क्र. एल. आई.जी. - 761, श्री दिलीप बेज पिता श्री विद्याधर बेज,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश **क्रमांक 6259 दिनांक 09.11.2006** द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 30.10.2009** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत **दिनांक 04.08.2016** को हस्तांतरण विलेख (फ्री - होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती दुर्गा सेन पति श्री परमेश्वर सेन, निवासी - ई. डब्ल्यू. एस., 407, वैशाली नगर, वार्ड नं. 10, सुपेला भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 04.09.2024** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्रीमती दुर्गा पति श्री परमेश्वर सेन द्वारा उक्त भवन को फ्री - होल्ड पश्चात अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें । अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./**15940**/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 10-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15940
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225E00071** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RANJU JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O VINOD KUMAR JAIN** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. विनोद कुमार जैन 2. मनीष कुमार जैन 3 दीपिका जैन 4 कृतिका जैन / पिता 1. श्रीचंद जैन 2 तीनों के पिता - विनोद कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय ग्राम पंचायत मुनरेठी जनपद आरंग जिला-रायपुर छ.ग.

आम सूचना

जारी दिनांक 11/12/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स ए. ढेबर बिल्डकॉन द्वारा मोहम्मद उमेर पता बैरन बाजार रायपुर द्वारा फर्म के द्वारा धारित भूमि खसरा नं. 177, 181, 182, 183, 236, 355, 362, 364, 365/1, 370/1, 371, 373/1, 379, 381/1, 382, 387, 388, 389, 390, 396, 402, 403/2, 404/2, 407/2, 408, 409/2, 411/1, 413/4 में ग्राम मुनरेठी तहसील मंदिर हसौद पटवारी हल्का नं. 12 जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है। जिसमें नोबल नेस्ट पोल्ट्री फार्म के नाम से व्यवसाय स्थापित करना चाहता है।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्रस्तुत की गई दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत मुनरेठी जनपद पंचा.- आरंग
जिला-रायपुर छ.ग. 492101

कार्यालय ग्राम पंचायत मुनरेठी जनपद आरंग जिला-रायपुर छ.ग.

आम सूचना

जारी दिनांक 11/12/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रमेश पटेल पिता श्री दयालाल पटेल निवासी फाफाडीह रायपुर छ.ग. का धारित निजि भूमि 15/1 व 15/2 ग्राम मुनरेठी तहसील मंदिर हसौद पटवारी हल्का नं. 12 जिला रायपुर छ.ग. में हाईटेक फ्यूल के पिछे स्थित है जिसमें इनके किरायादार श्री तुलसीदास पटेल पिता श्री प्रेम जी भाई पटेल निवासी न्यू टिम्बर मार्केट फाफाडीह रायपुर छ.ग. द्वारा आरामील व बिजली कनेक्शन 50 एच पी लगाना चाहता है।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्रस्तुत की गई दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत मुनरेठी जनपद पंचा.- आरंग
जिला-रायपुर छ.ग. 492101

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15780/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15780
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110D00418** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDIP AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. VIRENDRA KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPIKA DESHMUKH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DURGESH DESHMUKH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संपादकीय

दुनिया में भारत की बढ़ती अहमियत

डा. जयंतीलाल भंडारी

वाणिज्य मंत्रालय के थिंक टैंक का उपयोग मौजूदा मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं की मदद के लिए विशेष सेल बनाने में किया जाना होगा। साथ ही एफ्टीए को आसान बनाया जाना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय एफ्टीए पर वार्ताओं और मानक परिचालन प्रक्रियाओं को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ हुई बैठक के बाद नए दिशा-निर्देशों पर केंद्रीय मंत्रिमंडल की शीघ्र मंजूरी जरूरी है यकीनन दुनिया में भारत की आर्थिक अहमियत बढऩे के एक के बाद एक नए-नए परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 से 21 नवंबर तक ब्राजील, नाइजीरिया और गुयाना के पांच दिवसीय दौरे के दौरान जहां जी-20 शिखर सम्मेलन में भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता विषय पर प्रभावी संबोधन दिया, वहीं नाइजीरिया और गुयाना पहुंचकर इन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की सार्थक वार्ताएं की। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ब्राजील, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे और स्पेन समेत कई देशों के नेताओं के साथ की गई 31 द्विपक्षीय और अनौचारिक वार्ताओं में भारत का रणनीतिक महत्व उभरकर दिखाई दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के वैश्विक व्यापार और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विदेश दौरों में द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की रणनीति लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। खास तौर से पिछले छह महीनों में इस रणनीति से द्विपक्षीय व्यापार के अच्छे अध्याय दिखाई दिए हैं। गत 13 से 15 जून को इटली में विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष आमंत्रित देश के रूप में भारत की अहमियत दिखाई दी है। इस मौके पर सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ भारत की द्विपक्षीय वार्ताएं लाभप्रद रही हैं। रत के लिए सबसे ठोस लाभ जी-7 की उस प्रतिबद्धता से उपजा, जिसमें कहा गया कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस गलियारे के निर्माण की घोषणा गत वर्ष 2023 में भारत में जी-20 शिखर बैठक के समय की गई थी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि गत 9 जुलाई को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मास्को में भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा के बाद भारत और रूस ने द्विपक्षीय कारोबार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने, व्यापार में संतुलन लाने, गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने और यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू)-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावनाएं तलाशने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने राष्ट्रीय मुद्रा का इस्तेमाल कर एक द्विपक्षीय निपटान प्रणाली स्थापित करने और पारस्परिक निपटान प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय उपकरणों को लाने की योजना बनाने की बात कही है। यह बात महत्वपूर्ण है कि मोदी ने जहां 21 सितंबर को अमेरिका में आयोजित क्वाड लीडर्स सम्मेलन में भाग लेकर इस संगठन की भारत के लिए उपयोगिता बढ़ाई, वहीं 22 सितंबर को न्यूयार्क में मोदी और जो बाइडेन के बीच हुई बातचीत में कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने का करार हुआ है। इसी प्रकार 10 अक्टूबर को लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रमकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि रूस के कजान में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत ने रणनीतिक लाभ लिया। भारत और चीन के बीच पांच साल बाद अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। मोदी ने इस वार्ता के बाद कहा कि भारत और चीन के बीच संबंध महत्वपूर्ण हैं। नि:संदेह दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और भारत का रणनीतिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। 22 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी के स्टटगार्ट में आयोजित 'न्यूज-9 ग्लोबल समिट' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और यह पिछले 10 वर्षों में अपनाए गए 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' मंत्र के कारण संभव हुआ है। 21वीं सदी में तीव्र विकास के लिए भारत में प्रगतिशील और स्थिर नीति-निर्माण की व्यवस्था लाई गई, लालफीताशाही हटाई गई एवं जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के रूप में एक कुशल कर प्रणाली शुरू की गई है। भारत ने बैंकों को मजबूत किया, ताकि विकास के लिए समय पर पूंजी उपलब्ध हो सके। मोदी ने कहा कि देश के तेज विकास के लिए भौतिक, सामाजिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाया गया है। वस्तुत: जर्मनी का 'फोकस ऑन इंडिया' दस्तावेज इसका एक उदाहरण है। यह दस्तावेज दिखाता है कि दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को कैसे स्वीकार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी ने इस वर्ष 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। जर्मन चांसलर ओलाफशोल्ज हाल ही में अपनी तीसरी भारत यात्रा पर आए थे, जो दोनों देशों के प्रगाढ़ संबंधों को दर्शाता है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अब भारत को आर्थिक दुनिया की नई शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। जहां अमेरिका और रूस भारत को एक जैसा महत्व दे रहे हैं, वहीं सभी महत्वपूर्ण वैश्विक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत मिल रही है। जहां डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद भारत से मित्रता बढ़ाने की बात कही है, वहीं 10 नवंबर को रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत के बढ़ते आर्थिक कद को स्वीकार करते हुए भारत को वैश्विक महाशक्ति कहा और भारत से मैत्रीपूर्ण संबंधों की जमकर तरफ्दारी की है। निश्चित रूप से ट्रंप का राष्ट्रपति बनना भारत के लिए रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। आगामी जनवरी 2025 में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से ऊर्जा की कीमतों पर लगाम लगेगी और ऐसे में भारत की जीडीपी में तेज वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद ट्रंप चीन पर 60 फीसदी तक टैरिफशुल्क बढ़ा सकते हैं। ट्रंप प्रशासन के तहत चीन के साथ व्यापार युद्ध (ट्रेड वार) के तेज होने के आसार हैं। चूंकि अमेरिका के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी करीब 14 फीसदी है, ऐसे में अमेरिका में चीन से आयात में कमी आने से अमेरिका के बाजार में भारत से निर्यात बढ़ाने का बड़ा मौका मिलेगा। यह भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद चीन प्लस वन रणनीति के तहत भारत के वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में आगे बढऩे के मौके होंगे। यद्यपि दुनिया में भारत का रणनीतिक-आर्थिक महत्व बढ़ रहा है, लेकिन इसे ऊंचाई देने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। भारत को लॉजिस्टिक लागत घटानी होगी। मेक इन इंडिया को अधिक कारगर बनाना होगा। शोध एवं नवाचार पर व्यय बढ़ाना होगा। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाना होगी। ई-कॉमर्स निर्यात हब को तेजी से क्रियाशील करना होगा। वाणिज्य मंत्रालय के थिंक टैंक का उपयोग मौजूदा मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) वार्ताओं की मदद के लिए विशेष सेल बनाने में किया जाना होगा। इन सबके साथ-साथ एफ्टीए को आसान बनाया जाना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय एफ्टीए पर वार्ताओं और मानक परिचालन प्रक्रियाओं (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर यानी एसओपी) को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ एक हुई बैठक के बाद अब नए दिशा-निर्देशों पर केंद्रीय मंत्रिमंडल की शीघ्र मंजूरी जरूरी है। हम उम्मीद करें कि इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते हुए आर्थिक-रणनीतिक महत्व का लाभ जहां द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में मिलेगा।

रोजगार ढूंढना बड़ी चुनौती

हर साल 15 लाख इंजीनियरिंग छात्र जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना उनके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले सिर्फ 10 फीसदी नौजवानों को सिक्योर जॉब मिलने की संभावना रह गई है। वैसे इंजीनियरिंग स्नातक केवल 60 प्रतिशत हैं, जिन्हें आज बाजार में रोजगार पाने लायक समझा जाता है। केवल उद्योग जगत की बात करें, तो ऐसे स्नातकों की संख्या महज 45 फीसदी है। भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई और उससे प्रशिक्षित होकर निकले इंजीनियरिंग स्नातकों की बदहाली की ये कहानी मानव संसाधन क्षेत्र की एजेंसी टीमलीज की ताजा रिपोर्ट से सामने आई है। उसके मुताबिक इस बदहाली का प्रमुख कारण इंजीनियरिंग स्नातकों में आज के तकाजे के अनुरूप कौशल का अभाव है। भारत में हर साल 15 लाख छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना धीरे-धीरे उनके लिए एक बड़ी चुनौती बनता गया है। दुखद यह है कि संबंधित चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बनी है। रिपोर्ट में उचित ही इस ओर ध्यान खींचा गया है कि लंबे समय से इंजीनियरिंग शिक्षा भारत के विकास की बुनियाद रही है। इसीलिए नौजवानों के लिए करियर का यह पसंदीदा विकल्प रही। देश में बुनियादी ढांचे के विकास एवं सकल प्रगति को आकार में इंजीनियरों की प्रमुख भूमिका रही है। लेकिन अब हालत बदल चुकी है। तकनीकी उन्नति जिस दिशा में हुई, भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा को उसके अनुरूप विकसित नहीं किया गया। नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है। नेसकॉम का अनुमान है कि अगले दो-तीन साल तक भारतीय तकनीकी सेक्टर को ऐसे दस लाख इंजीनियरों की जरूरत पड़ेगी, जो आर्टिशिफियल इंटेलीजेंस, बैटरी संचालित वाहनों, सेमीकंडक्टर और अन्य उन्नत हो रही तकनीक में पारंगत हों। लेकिन ऐसे इंजीनियर बहुत कम संख्या में तैयार हो रहे हैं। किसी भी देश में विकास के बुनियादी स्तंभ विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित में शिक्षित नौजवान होते हैं। मगर शर्त यह है कि उन्हें वक्त की जरूरत के हिसाब से क्वालिटी शिक्षा मिली हुई हो। इस कसौटी पर भारतीय शिक्षा व्यवस्था नाकाम हो रही है, तो उसका अर्थ है कि अपना देश विकास की होड़ में पिछड़ा बना रहेगा।

आलेख

भारत की आर्थिक चिंताएं बढ़ी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्त्रइल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटिवयर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझें हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढऩे के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवम्बर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रु ख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ी है। एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदाथरे, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढऩे लगेगी। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढऩे पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवम्बर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढऩे के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढऩे पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढऩे का रु झान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवम्बर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदाथरे, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं। सितम्बर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवम्बर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितम्बर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी।

खून-खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत

शरुति व्यास

सीरिया के राष्ट्रपति असद भाग गए है। देश में सेना, प्रशासन और सरकार खत्म है। बांग्लादेश की हसीना वाजेद के हालिया पतन के बाद एक और तानाशाह के पतन की कहानी लिखी जा रही है। राष्ट्रपति के राजधानी दमिश्क से भागने के साथ ही, असद परिवार का सीरिया पर पिछले 50 सालों से चला आ रहा राज खत्म हो गया है। रविवार को सुबह-सुबह विद्रोही बलों ने दमिश्क में जयकारे लगाए। जश्न मनाते हुए हवा में गोलियां चलाईं। चारों ओर 'अल्लाह-हु-अकबर' की आवाजें गूंजने लगी। विद्रोही जनता को सीरिया पर नियंत्रण कायम करने में केवल 11 दिन लगे। विद्रोहियों के उत्तर-पश्चिमी सीरिया से अपने हमले शुरू करने के बाद से ही असद की सेना पीछे हटती गई, उन्हें विदेशी मदद न के बराबर हासिल हो सकी और उनके वफादारों ने देश छोड़कर भागना शुरू कर दिया। विद्रोहियों के लिए रास्ता साफ होता गया और एक हफ्ते के अंदर देश के पांच प्रांतों की राजधानियों पर असद का नियंत्रण खत्म था। उथलपुथल और अराजकता सीरिया के लिए नई बात नहीं हैं। वहां के लोग मुसीबतों के बीच जीने के आदी हैं। बशर अल-असद के जुल्मों के चलते वहां हालात पहले से ही बहुत खराब थे। खून-खराबा बड़े पैमाने पर हो रहा था और देश रहने लायक नहीं बचा था। फिर रविवार की सुबह देश देश पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्ज़ा हो गया। हालाँकि इससे असद के 24 साल के निर्मम शासन अंत हुआ है, लेकिन देश एक नर्क से निकल कर दूसरे नर्क में धकेल दिए जाने के मानिंद है। पिछली बार 2011 में असद गंभीर संकट में फंसे थे जब सीरिया के कई शहरों में जनता ने उनके सत्ता छोड़ने की मांग करते हुए बगावत की थी। उस समय असद ने सरकार की ताकत का इस्तेमाल अपनी ही जनता के खिलाफ करते हुए विरोध को सख्ती से कुचला था। धीरे-धीरे इस विरोध ने गृहयुद्ध का रूप ले लिया। असद ने अपनी डरावनी जेलों से जेहादी कैदियों को रिहा करके उनकी खिलाफत कर रही ताकतों और जेहादियों के बीच टकराव पैदा करने का प्रयास किया। उसके बाद उन्होंने अपने मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी रूस और लंबे समय के इलाकाई दोस्त ईरान की सहायता ली। ईरान ने लेबनान के शक्तिशाली हथियारबंद संगठन हिज्बुल्लाह के साथ मिलकर उन्हें सैनिक सहायता उपलब्ध करवाई जिससे वे देश पर दुबारा अपना नियंत्रण कायम करने में कामयाब रहे। इस गृहयुद्ध में तीन लाख से अधिक लोग मारे गए। कुछ अनुमानों के मुताबिक मरने वालों की संख्या इससे दोगुनी थी। दसियों हजार लोग जेलों में बंद हैं। सन 2011 से लेकर आज तक कैद किए गए लोगों में से करीब एक लाख या तो गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इन लोगों को योजनाबद्ध ढंग से क्रूर यातनाएं दी गईं। करीब 1.20 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। देश में कई वर्षों तक युद्ध चलता रहा और इस दौरान सीरिया के बड़े शहरों पर असद का नियंत्रण बना रहा। मगर उत्तर-पश्चिम के कुछ पहाड़ी इलाकों में हयात तहरीर अल-शाम (एचईएस), जिसने 2017 में अलकायदा से नाता तोड़ लिया था, का कब्जा रहा। यह इलाका बाकी दुनिया से कटा हुआ था। यह संगठन असद के लिए बहुत मामूली खतरा नजर आता था किंतु उसने अचानक आक्रमण किया और कुछ ही दिनों में अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो में विद्रोहियों के कब्जे के कुछ ही दिनों बाद एचटीएस नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी लड़ाकों के घेरे में शहर के प्राचीन किले की सीढ़ियों से शान से नीचे उतरे, जहां उत्साहित भीड़ ने उनका स्वागत किया। जोलानी के पूर्व में अलकायदा से संबंध रहे हैं, जिस कारण अमेरिका ने अभी भी उन पर एक करोड़ डालर का इनाम रखा हुआ है। लेकिन जनता के बीच उसकी सतत मौजूदगी और अपने समर्थकों से सीधे संवाद करने के कारण वे इस विद्रोह के नेता बतौर देखे जाने लगे हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने आखिरी घंटों के दौरान असद ने हालात पर काबू पाने की हरचंद कोशिश की। चारों ओर से घिर जाने के बाद भी उन्होंने अरब देशों से मदद की गुहार लगाना जारी रखा। कई स्त्रोतों के मुताबिक उन्होंने यूएआई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद ङ्क जो एचटीएस जैसे इस्लामिक समूहों से नफरत के लिए जाने जाते हैं ङ्क से भी मदद की भीख माँगी और उन्होंने मिस्त्र, जार्डन और कई अन्य देशों से भी। लेकिन कोई इस हारी हुई लड़ाई में उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। अब सीरिया पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्जा है। विद्रोही गठबंधन में कई इस्लामिक कट्टरंपथी और नरम धड़े शामिल हैं, जो आपसी मतभेदों के बावजूद असद शासन, इस्लामिक स्टेट और ईरान-समर्थित लड़ाकों से युद्ध करने के मामले में एकमत थे। एचटीएस और सीरियन नेशनल आर्मी (एसएनए), जिसमें विभिन्न विचारधाराओं वाले दर्जनों संगठन सम्मिलित हैं, को तुर्की धन और हथियार मुहैया करवा रहा है। सीरिया पर असद का राज खत्म होना तुर्की के लिए फायदेमंद है। तुर्की के राष्ट्रपति तैय्यब अर्दोग़ान ने सीरिया में आए बदलाव का स्वागत किया है। शक नहीं कि एचटीएस पर सबसे अधिक प्रभाव तुर्की का ही रहेगा। जल्द ही अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को इस झमेले से दूर रखना चाहते हैं। इस लड़ाई से हमारा कोई लेनादेना नहीं है, उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है। इसी तरह रूस की प्राथमिकता तरतूस में अपने नौसेना अड्डे को बचाए रखना होगा, जो भूमध्य सागर में उसका इकलौता बंदरगाह है। मगर जिस प्रश्न का उत्तर मिलना बाकी है वह यह है कि क्या सीरियाईओं को अंतत: अपने देश का पुनर्निर्माण करने का मौका मिलेगा? अभी तो वहां का माहौल बैचेनी और डर से भरा हुआ है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस्लामिक संगठन एचटीअस तुर्की के काबू में रहेगा, या तुर्की, एचटीएस को उस हमले को रोकने का हुक्म दे सकेगा जिस हमले में एचटीएस को उसकी उम्मीद से ज्यादा कामयाबी हासिल हुई है। एचटीएस के पास इतने संसाधन नहीं हैं।

राहुल गांधी लड़ते क्यों नहीं हैं ?

संतोष पाठक

यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया इंडिया गठबंधन अब बिखरता हुआ नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा का रथ 240 पर रोकने से उत्साहित विपक्षी दल के नेता ही नहीं बल्कि उनके नेता और कार्यकर्ताओं तक को लगने लगा था कि यह सरकार अब पहले की तरह अड़ कर काम नहीं पाएगी। लेकिन हर गुजरते महीने के साथ ही विपक्षी नेताओं का यह भ्रम टूटता हुआ सा नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत दिलाकर राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व को जिस अंदाज में स्थापित करने की शुरुआत की थी, वह विश्वास भी अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर जो स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आने लगी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है। झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन को फिर से सरकार बनाने में कामयाबी तो मिल गई है लेकिन इसका पूरा श्रेय जेएमएम नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मिली हार का ठीकरा एक तरह से राहुल गांधी पर ही फोड़ा जा रहा है जबकि इस गठबंधन में महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाने वाले शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करने वाले उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सहयोगी जो बातें दबी जुबान में कह रहे थे, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वही बातें खुल कर कहने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने खुल कर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इससे पहले उन्ही की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह कह चुके हैं कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है, कांग्रेस ने अपने परफॉर्मेंस से इंडिया गठबंधन को निराश कर दिया है। कल्याण बनर्जी तो यहां तक बोल गए कि कांग्रेस को अपना अहंकार त्याग कर ममता बनर्जी को अपना नेता मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कई बार इशारों-इशारों में और कई बार खुलकर कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। उनके चाचा रामगोपाल यादव ने तो राहुल गांधी पर खुलकर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि वे इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उद्धव ठाकरे, पहले से ही राहुल गांधी से नाराज हैं कि अपने वादे के मुताबिक कांग्रेस नेता ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें महाविकास अघाड़ी की तरफसे मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया। दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप-शनाप सलाह देते रहते हैं। यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। वादा करने के बावजूद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को हटाकर टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी से अपने सबसे करीबी नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को बचा नहीं पाए। राहुल गांधी अशोक गहलोत से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा तक किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप से अपनी बात मनवा नहीं पाते हैं। जिस तरह से अड़ कर उन्होंने गांधी परिवार से अलग हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाया, उस तरह की जिद वह पार्टी के अन्य मामलों में कर नहीं पाते हैं। नतीजा यह है कि देश के कई राज्यों में आज सांगठनिक दृष्टि से कांग्रेस एक तरह से खत्म सी नजर आ रही है। उन्होंने जिन केसी वेणुगोपाल को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाकर, संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

कब कौनसी श्वांस जीवन की अंतिम श्वांस बन जाये कोई ठिकाना नहीं, फिर भी जीवन का यह व्यामोह छूटता नहीं : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। कब कौनसी श्वांस जीवन की अंतिम श्वांस बन जाये कोई ठिकाना नहीं, फिर भी जीवन का यह व्यामोह छूटता नहीं। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर छत्रपति नगर के मानस्तम्भ बेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिवस प्रात:कालीन धर्मसभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि यह सारी दुनिया झूंठ की सरकार है उन्होंने चार सबाल जिंदगी के उठाते हुये कहा कि आपके अंदर यह बात उठना चाहिये कि में कौन हूं? मेरा क्या है? में क्या कर रहा हुं? और मुझे क्या करना चाहिये?जब जब भी आप अपने बारे में बिचार करते है कि में कौन हूं, ?तो सबसे पहले आप अपना परिचय अपने नाम, पद और प्रतिष्ठा के साथ उल्लेख करते है बोलो करते हो या नहीं? क्या यह सच है? सत्य तो यह है कि में ज्ञान दर्शन स्वरुपी एक आत्मा हूं, यह नाम, रुप और पद यह ऊपर का आबरण है यदि आप उस बेनाम छवि को ही निखारने में लग जाओगे तो अपने आपको कब पहचान पाओगे? जबाब देते हुये कहा कि जब तक आप भेद विज्ञान के माध्यम से अपनी आत्मा और शरीर को नहीं पहचानोगे तब तक आप इस देहाश्रित बुद्धि से निकलने बाले नहीं, मात्र शास्त्र की गद्दी पर बैठकर शरीर और आत्मा को भिन्न कहना सरल है लेकिन एक मच्छर काटे तो उसका सहना

कठिन होता है, उन्होंने पूंछा कि आप लोग धर्म किसलिये करते है? जबाव देते हुये कहा कि कुछ लोग परंपरागत चला आ रहा इसलिए करते है, तो कुछ पुण्य के लिये करते है, तो कुछ लोगअपने संकटों का निवारण करने के लिये करते है तो कुछ लोग समाज में प्रतिष्ठा पाने के लिये करते है, तो कुछ लोग देखादेखी भी करते है, मुनि श्री ने कहा कि यह सब धर्म का ऊपरी स्वरुप है आंतरिक स्वरूप तो जीवन का रुपांतरण है, पूरा जीवन व्यापार और मौजमस्ती में ही निकल गया आखिर अपना हित कब सोचोगे? बिचार करो यह मनुष्य जीवन क्यों पाया? उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन में ही इस भेद विज्ञान को समझ सकते हो, अन्य प्राणियों को तो समझने की बुद्धि ही नहीं।उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बनो इसके पहले इस दिव्यआचरण को अपनाकर अपने इस मनुष्य जीवन को सार्थक कर सकते हो। देहाश्रित वुद्धि कभी आपका कल्याण नहीं कर सकती, यदि इस भव में भी यदि नाम रुप पद प्रतिष्ठा में उलझकर रहोगे तो संसार के इस चक्र से कभी आगे नहीं बड़पाओगे उन्होंने सलाह देते हुये कहा कि आयु कर्म क्षीण होता जा रहा है, कोरोना काल के पश्चात तो पता ही नहीं लगता किस समय किसकी श्वांस टूट जाऐगी हर पल मौत का स्मरण करो एवं रात्री को सोते समय तथा सुवह जब भी उठो तो सबसे पहले प्रभु परमात्मा का स्मरण कर बार बार चिंतन करो कि में कौन हुं? मेरा क्या है?उत्तर मिलेगा में शुद्ध ज्ञान दर्शन चैतन्य मयी आत्मा हूँ, उस आत्मा से पृथक संसार का एक भी परमाणु मेरा नहीं ऐसी आध्यात्मिक प्रेरणा जागने से अहंकार और आसक्ती मिटेगी तथा जीवन में सहजता और सरलता स्वाभाविक रुप से प्रकट हो जाऐगी, जीवन आनंद से निकलेगा।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया आज से तीन दिवसीय बेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम विधानाचार्य अभय भैया, अनिल भैया के निर्देशन में तथा पंडित सुदर्शन जी तथा अमित बास्तु के सह निर्देशन में प्रारंभ हुआ, प्रात:प्रवचन के पूर्व संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण अशोक डोसी, महामंत्री हर्ष जैन, रमेशचंद्र निर्वाणा ने किया। **-अविनाश जैन**

ऊर्जा बचत उपायों को निरंतर अपनाकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ऊर्जा संरक्षण में अग्रिम पंक्ति पर

बिलासपुर (विश्व परिवार)। ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा खपत को कम करने का प्रयास है, जिसमें अधिक कुशल ऊर्जा स्रोतों और उपकरणों का उपयोग किया जाता है। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, कार्बन फुटप्रिंट, लागत, पानी और ऊर्जा खपत को कम करने में सहायक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ऊर्जा खपत को कम करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपनाए जाने वाले प्रमुख उपाय-

स्टेशनों और कार्यालय भवनों में एलईडी लाइट्स का उपयोग : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 139 स्टेशनों और कार्यालय भवनों में एलईडी लाइट्स लगाई गई हैं। 30-70त्न लाइटिंग सिस्टम को ऑटोमेशन के साथ जोड़ा गया है। यात्री संख्या के अनुसार, 30 प्रतिशत लाइट तब चालू होती हैं जब प्लेटफॉर्म पर यात्री कम हों और 70 प्रतिशत लाइट यात्री संख्या अधिक होने पर चालू होती हैं। 07 स्टेशनों पर यह स्वचालित सिस्टम सिग्नल सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के अनुसार लाइट्स स्वचालित रूप से चालू/बंद होती हैं।

बिजली की कम खपत करने वाले ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (बीएलडीसी) पंखों का उपयोग : पारंपरिक पंखों की जगह बिजली की कम खपत करने वाले ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (बीएलडीसी) पंखों का उपयोग किया जा रहा है, जो कम ऊर्जा खपत करते हैं। नवंबर 2024 तक, लगभग 2100 (बीएलडीसी) पंखे लगाए गए हैं।

ऊर्जा कुशल उपकरणों का उपयोग : रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार, 3-स्टार और उससे ऊपर की रेटिंग वाले उपकरणों का ही उपयोग किया जा रहा है।

आईआर-नियंत्रक सिस्टम का उपयोग : यह IoT (इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स) अर्थात स्मार्ट डिवाइस -आधारित प्रणाली है, जो लिफ्ट, एस्केलेटर, पानी के पंप, लाइट्स, पंखे आदि को लाइव मॉनिटर और नियंत्रित करती है।

इस प्रणाली के माध्यम से उपकरणों को दूरस्थ रूप से चालू/बंद करने, ऊर्जा खपत की निगरानी करने और खराबी के समय अलार्म/संदेश प्राप्त करने की सुविधा है। यह ऊर्जा दक्षता, उपकरणों की आयु, और सुरक्षा में सुधार करता है।

उच्च स्तरीय ऊर्जा ऑडिट : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 63 भवनों के लिए 'इन्वेस्टमेंट ग्रेड एनर्जी ऑडिट' की पहचान की है, जिससे ऊर्जा खपत के पैटर्न का अध्ययन कर बचत के उपाय किए जाएंगे।

स्वचालित पावर फैक्टर नियंत्रक उपकरण : सभी सामान्य विद्युत उप-स्टेशनों में स्वचालित पावर फैक्टर नियंत्रक पैनल लगाए गए हैं, जो ऊर्जा संरक्षण में सहायक हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए इन नवीनतम तकनीकों और उपायों को अपनाया है। इन कदमों से न केवल ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि लागत में भी कमी आएगी और पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

विमर्श सागर जी का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

अशोकनगर (विश्व परिवार)। विमर्श जागृति मंच परिवार के तत्वावधान में श्रमणाचार्य भावलिंगी संत 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज के विमर्श संयमोत्सव के उपलक्ष्य में अनेको आयोजन किये जा रहे हैं। विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची एवं शाखा अध्यक्ष अनूप बाबू ने बताया कि विमर्श सागर जी के आचार्य पदारोहण दिवस पर गुरुवार को प्रात: श्रमणाचार्य श्री आदित्य सागर जी ससंघ के सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर जी में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं आचार्य श्री विमर्श सागर जी की पूजन की गई जिसमें राकेश कांसल, मनोज रत्नौद, डॉ. डी.के.जैन, संजय सिंघई, प्रमोद छाया, राजेश तारई, मनीष जैन, विशाल बाँझल, अनिल भारत, प्रमोद मोहरी, राजेश राजू, ऋषभ तारई, संजय चौधरी, अतुल बंसल वीरेंद्र, डॉ. मोनू, चंद्र कुमार, जितेंद्र, चन्द्रेश, रिंकू भारत, वैशाली बाँझल, प्रीति मोहरी, पूजा देरखा, रूबी करैया सहित भारी संख्या में गुरुभक्तों ने सहभागिता की। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रात: 11 बजे कोचर निवास पर निर्धनों को भोजन वितरित किया जाएगा।तथा शनिवार को प्रात: 8:00 बजे त्रिकाल चौबीसी जिनालय में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा एवं गुरुवर की पूजन की जाएगी तथा रात्रि में 7 बजे वहीं आरती और प्रश्न मंच का आयोजन किया जाएगा।रविवार को ग्राम सूरेल में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन भी होगा।

छात्र मेहनत लगन ईमानदारी से पढ़ाई कर अपने कर्तव्यों का करें निर्वाहन: एसपी शशि मोहन सिंह

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। नेहरू युवा केन्द्र के द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव में विज्ञान मेला आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य आतिथि के तौर पर पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने छात्रों से कहा मेहनत लगन ईमानदारी से पढ़ाई कर अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करें। इस अवसर पर संत जेवियर्स उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय शांतिभवन जशपुर के प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने वाटर स्टोर का प्रयोग प्रदर्शित किया जिसे काफी पसंद किया गया। विज्ञान मेला में शानदार प्रदर्शनी प्रस्तुत कर साहिल मिंज प्रथम और हायर सेकेण्डरी की छात्रा नामिता नाग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों ने कहा जीत का श्रेय संत जेवियर्स उ.मा. विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को जाता है।

शांति भवन के छात्रों ने विज्ञान मेला में वाटर स्टोर का प्रयोग किया प्रदर्शित, शानदार प्रदर्शनी प्रस्तुत कर छात्रों ने जीता प्रथम व तृतीय पुरुस्कार

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2024

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, रायपुर मंडल में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 8 से 14 दिसंबर तक विद्युत ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत वरि मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) कार्यालय द्वारा रायपुर मंडल के सभी स्टेशनों, प्रशासनिक भवनो, कार्यालयों में विद्युत ऊर्जा संरक्षण स्लोगन एवं जागरूकता के बैनर पोस्टर आदि लगाये गए तथा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे है। रायपुर मंडल के विभीन्न स्टेशनों कार्यालयों व स्कूलो में सेमिनार का भी आयोजन किया गया। कर्मचारियों व अधिकारियों में ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया.है विशेष रूप से उन कार्यलयों में जहाँ बिजली उपकरनो के कार्य अधिक किए जाते है उन कार्यालयों में जागरूकता के लिए विद्युत अभियंता (सामान्य) के कर्मचारियों द्वारा विद्युत ऊर्जा वचाने के सामान्य अनुदेश बाँटे गए. उन्हे बचत के तौर-तरीके दिन के समय सूर्य के प्रकाश का उपयोग करने, जरूरत न हो तो लाइट पंखे बंद करने, चेम्बर छोड़ने से आधा घंटा पहले एसी बंद करने सुझाब दिये गए. अधिक से अधिक एलइडी बल्ब एवं सौ ऊर्जा उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी को 55वें जीएसटी काउंसिल की बैठक के लिए जीएसटी सरलीकरण के संबंध में सुझाव हेतु ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि 21 दिसम्बर 2024 को होने वाली 55वें जीएसटी काउंसिलिंग की बैठक में सुझाव देने हेतु चेंबर भवन में विभिन्न व्यापारिक-औद्योगिक संगठनों एवं पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई थी। इसी तारतम्य में आज 12 नवम्बर 2024 को चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में माननीय श्री ओ.पी.चैधरी जी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन से मुलाकात कर 21 दिसम्बर 2024 को होने वाली 55वें जीएसटी काउंसिल

की बैठक के लिए जीएसटी सरलीकरण के संबंध में सुझाव हेतु ज्ञापन सौंपा।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री पारवानी जी ने बताया कि 21 दिसम्बर 2024 को होने वाली 55वें जीएसटी काउन्सिल की बैठक में जीएसटी सरलीकरण हेतु सुझाव देने तथा प्रदेश के व्यापारियों में जीएसटी को लेकर आ रही परेशानियों के संबंध में चेंबर भवन में विभिन्न व्यापारिक-औद्योगिक संगठनों एवं पदाधिकारियों की बैठक रखी गई थी जिसमें जीएसटी सरलीकरण को लेकर विभिन्न सुझाव प्राप्त हुए जिसे प्रमुख रूप से चेंबर ने सुझावों को सूचीबद्ध किया।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री पारवानी ने माननीय श्री ओ.पी.चैधरी जी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन से व्यापार एवं उद्योग के हित में तथा जीएसटी सरलीकरण की दिशा में उपरोक्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए 55वें जीएसटी कांउसिल की बैठक में शामिल करने हेतु निवेदन किया है।

चेम्बर प्रतिनिधि मंडल में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष-राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, मनमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष-नरेन्द्र हरचंदानी, मंत्री-शंकर बजाज, राजेन्द्र खटवानी एवं टेक्नीकल टीम के सदस्य-सी.ए.मुकेश मोटवानी, सी.ए.किशोर बरड़िया प्रमुख रूप से शामिल थे।

बलौदाबाजार हिंसा मामले पर संसद में बोलने की अनुमति न मिलने पर संसद के बाहर धरना प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार हिंसा मामले पर संसद में बोलने के लिए अनुमति नहीं मिलने पर भीम आर्मी संस्थापक और उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद श्री चंद्रशेखर आजाद ने संसद के बाहर ही धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। साथ ही छत्तीसगढ़ में भी भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मनोज बंजारे के नेतृत्व में 4 दिसंबर से सामाजिक न्याय यात्रा निकाली जा रही है, जिसमें बलौदाबाजार हिंसा मामले में सतनामी समाज के बेकसूर लोगों को नि:शर्त रिहाई की मांग कर राष्ट्रपति के नाम से ज्ञापन सौंपा जा रहा है।

आज यात्रा का 7वां दिन है और हर दिन नए जिले में यात्रा निकाली जाती है और कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम से ज्ञापन सौंपा जा रहा है। अभी तक यात्रा जांजगीर, सक्ती, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़ मुंगेली, जैजैपुर, बलौदाबाजार से होकर गुजरी है। आगे कवर्धा राजनांदगांव पहुंचेगी और अनवरत जारी रहेगी जब तक बेकसूर लोगों को न्याय नहीं मिल जाता।

42 सालों के संघर्षो के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन को मिली मान्यता

शिक्षक फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

शिक्षक संवर्ग का हित संवर्धन ही सर्व प्राथमिकता : राजेश चटर्जी

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन को आखिरकार 42 सालों के संघर्षो के बाद मान्यता मिल गई है। जिससे शिक्षक फेडरेशन में उत्साह का माहौल है। शिक्षक फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं जशपुर जिला अध्यक्ष विनोद गुप्ता, महामंत्री संजीव शर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रशासकीय स्वीकृति से छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन को मान्यता का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है।गौरतलब है कि अविभाजित मध्यप्रदेश में 1982 से संगठन के पदाधिकारियों का बोलबाला रहा है। वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़ फर्म्स एवं संस्थाऐं से नवीन पंजीयन के बाद से स्कूल/ट्राइबल शिक्षा विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्गों के अधिकार का आवाज बुलंद करते रहा है। राज्य शासन के नियम अनुसार प्रतिवर्ष सदस्यों की जानकारी छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के धारा-27 में पदाधिकारियों की प्रमाणित सूची तथा ऑडिट रिपोर्ट की जानकारी धारा-28 प्रस्तुत किया है। छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2019 एवं 2022 को मान्यता छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन जिला जशपुर के सक्रिय पदाधिकारी/सदस्यों अवनीश पांडे, एलन साहू, संजय दास, दिलीप सिंह, अश्विनी सिंह, दीपक ग्वाला, सरीन राज, प्रभात मिश्रा, राजेंद्र प्रेमी, ममता सिन्हा, ज्योति श्रीवास्तव, मनीषा भगत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय धन्यवाद ज्ञापित किया है।

विशुद्धकुल गौरव श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज संसघ का तूमैंन जी की पावन धरा पर मंगल प्रवेश हुआ

तूमैंन (विश्व परिवार)। श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज तूमैंन में विराजमान है। मुनीत्रय की चरण धूलि से पावन हो रही है, तूमैंन की वसुधा। नित्यम आदित्यम आनंदम।

चर्या शिरोमणी दिगंबर जैन आचार्य मुनि श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने कहा की, रात से दिन, दिन से रात जिंदगी यू ही निकल रही है जो करने आए थे वो कर नही पा रहे है। जो करना नही है वो कर रहे है इतनी सी कहानी हर इंसान की है। चाहे वो भगवान राम हो, या तीर्थंकर ऋषभ देव हो इस कहानी में वो भी फिट हो गए। कैसे जब स्वर्ग में बैठे श्री राम का जीव चिंतन करता है, कब में इस देव पर्याय को छोड़ू, ऐसे वै जब अटक गए तो ऐसे में आपका और हमारा क्या होगा? आज के समय में एक-एक कदम बड़े सोच समझ कर रखना पड़ता है। खेल नही है, बच्चों का तेल निकल जाता है अच्छे अच्छों का, में ये मोक्ष की बात कर रहा हु बस शब्द आज के समय के ले रहा हु, जो मोक्ष को प्राप्त कर रहा है सफल वही है। बाकी तो सब असफल है, आज के समय मरीज मरीज को देख रहा है। एक शरीर का मरीज है और एक आत्मा का मरीज है। लेकिन आत्मा के डॉक्टर से दूर रहे, धक्के से ऊपर नही उठते धोखे से ऊपर उठते है। धक्का सहन हो जाए तो ऊपर उठ जाओगे। दूसरों के गुण या अवगुण देखने से आप कभी सफल नहीं होगे। आपको सफल होने के लिए खुद पर कार्य करना पड़ेगा। तब आप सफल होंगे। कैरी अपना स्वयं का विकास करती है, तब वो जाकर आम बनती है। **-अभिषेक अशोक पाटील**

35वीं मंडलीय रैली का भव्य समापन : खेल-खेल में बच्चे पढाई करके माता-पिता व गांव का नाम रोशन करें : मनोहर लाल पंथ

झांसी मंडल के परिषदीय विद्यालयों के नौनिहालों ने दिखायी प्रतिभा, ललितपुर बना चैंपियन

खेल से व्यक्तित्व में बृद्धि एवं सद्भावना व सौहार्द का होता है विकास : अरुण कुमार शुक्ला

ललितपुर (विश्व परिवार)। वीर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तालबेहट में मर्दन सिंह इंटर कॉलेज की धरा पर 35 वीं मंडलीय बाल क्रीड़ा एवं खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। मुख्य अतिथि श्रम एवं सेवायोजन मंत्री मनोहर लाल पंथ एवं विशिष्ट अतिथि विधायक रामरतन कुशवाहा, मण्डलीय सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक अरूण कुमार शुक्ल, ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा, नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार रहे। मंडलीय रैली का संयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह ने किया। रैली के प्रभारी बीईओ तालबेहट समर सिंह रहे। बीईओ महरौनी राजकुमार पुरोहित, बीईओ मडावरा नरेश कुमार रावत, बीईओ बिरधा गौरव शुक्ला, बीईओ बार शैलजा व्यास एवं सह प्रभारी एआरपी दिलीप राजपूत, जनार्दन पाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी। रैली में खेल प्रतियोगिताएं जिला व्यायाम शिक्षक ललितपुर धर्मेंद्र जैन, व्यायाम शिक्षक जालौन अविनाश दीक्षित, ममता स्वर्णकार झांसी के निर्देशन में आयोजित की गई। अतिथियों ने टीएलएम का अनुश्रवण किया एवं मां सरस्वती के चित्र का अनावरण कर दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। सस्वती वंदना सअ शिवानी सुडेले ने प्रस्तुत की। मण्डलीय सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक अरूण कुमार शुक्ल ने मंडलीय रैली में आये हुए बच्चों से कहा कि खेल को खेल भावनाओं से खेलें। खेल से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। बच्चों ने देशभक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों की भव्य प्रस्तुति दी। जिसकी सराहना तालियों की गडगडाहट के साथ की गई। पीएमश्री बम्हौरी कलां, मडावरा की छात्रा निशा ने घूमर नृत्य एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि श्रम एवं सेवायोजन मंत्री मनोहर

लाल पंथ ने कहा कि खेल को खेल भावनाओं से खेलें। खेल से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। शिक्षकों की मेहनत से ही बच्चे मंडल रैली तक पहुंचे हैं।जिन गुरूओं ने बच्चों को इस मुकाम तक पहुंचाया है वह बधाई के पात्र हैं। खेल-खेल में बच्चे पढाई करके माता-पिता व गांव का नाम रोशन करें। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि खेल शिक्षा के साथ-साथ बच्चे पौष्टिक आहार भी करें जिससे स्वास्थ्य उत्तम रहता है। इस दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में प्राथमिक बालिका वर्ग की 200 एवं 400 मीटर दौड़ में ललितपुर अंजली महरौनी, लम्बी कूद में ललितपुर की भावना महरौनी प्रथम रहीं। कबड्डी में ललितपुर विजेता झाँसी उपविजेता एवं खो-खो में ललितपुर विजेता जालौन उपविजेता रहा। प्राथमिक बालक वर्ग की 200 मीटर दौड़ में ललितपुर के अनिल झूमरनाथ, 400 मीटर दौड़ में जालौन के सचिन्द्र दहेलखण्ड प्रथम रहे।

कबड्डी में ललितपुर विजेता जालौन उपविजेता एवं खो-खो में ललितपुर विजेता जालौन उपविजेता रहा। जूनियर के बालिका वर्ग की 400 मीटर रिले दौड़ में ललितपुर विजेता झाँसी उपविजेता, कबड्डी में जालौन विजेता झाँसी उपविजेता, बॉलीबॉल में झरावटा ललितपुर विजेता जालौन उपविजेता, बैडमिंटन में ललितपुर की अंजना तिसगना विजेता आराध्या डकोर जालौन उपविजेता रहीं। जूनियर के बालक वर्ग की बॉलीबॉल में झरावटा ललितपुर विजेता झाँसी उपविजेता रहा। रैली में विशेष सहयोग देवेश शर्मा, देवेंद्र कुमार जैन, विजय मिश्रा, महेंद्र कुमार, आशुतोष बिलगईयां, अमित कुमार, श्याम प्रकाश चतुर्वेदी, संतोष गुप्ता, शैलेश जैन, धर्मेंद्र उपाध्याय, राजीव श्रीवास्तव, शक्ति सिंह, हरि साहू, कल्याण सिंह राजावत, डॉ. स्मिता जैन, विशाल जैन पवा, श्रीनारायण पाण्डेय, मनोहर सिंह बुंदेला, आजाद सिंह, सुरेंद्र यादव, विजय पुरोहित, रवि कुमार गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह, राकेश द्विवेदी, राजू यादव, प्रमोद नायक, हरिशंकर सोनी, बालेन्द्र, संतोष कुमार, नितीश निरंजन, प्रशांत राहुल के अलावा रैली को आयोजित कराने वाले शिक्षकों व अनुदेशकों का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद निरंजन, प्रांतीय संगठन मंत्री शकुंतला कुशवाहा, कोषाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी, विनय ताम्रकार, सत्येंद्र जैन, प्रशांत राजपूत, मनीष खरे, प्रफुल्ल जैन, पुष्पेंद्र जैन, अनंत जैन, राजीव गुप्ता, संतोष कुशवाहा, राममिलन, इंदर सिंह पटेल, सर्वोदय झा, के अलावा सैकडों की संख्या में शिक्षक, शिक्षकाऐं एवं मंडल रैली में प्रतिभाग करने वाले लगभग पांच सौ बच्चे मौजूद रहे। संचालन बुंदेलखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. अनिरुद्ध रावत ने किया। अंत में आभार बी एस ए ललितपुर रणवीर सिंह ने व्यक्त किया। **-विशाल जैन**

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

बिश्रामपुर ने सी डब्लू एस कोरबा की टीम को पहले मैच में रायगढ़ ने दूसरे मैच में बैकुंठपुर को किया परास्त

प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी खेल से खुद का जोड़े -अजय तिवारी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड अक्ल मिनी रत्न का अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट का आगाज विश्रामपुर एकता स्टेडियम में क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी ने ध्वजारोहण करके किया। ध्वजारोहण राष्ट्रगान के पश्चात मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हुए औपचारिक परिचय ली तत्पश्चात खेल का शुभारंभ किया । महा प्रबंधक अजय तिवारी ने उपस्थित खिलाड़ियों एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल भाईचारा का मुख्य कारक है इसी तरह स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए यह अमृत तुल्य है अत: प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी खेल से जुड़ कर आरोग्य रहने की कोशिश करना चाहिए। महाप्रबंधक ने खिलाड़ियों को जीत एवं अच्छा प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। महा प्रबंधक के उद्बोधन से पूर्व उपस्थित अतिथियों में श्रमिक संगठन एचएमएस के परमजीत सिंह पम्मे ,अरविंद सिंह, प्रेमचंद सिंह ,सीटू के देवेंद्र सिंह सोढ़ी, बलभद्र सेन, बी के के एम एस के राजेश सिंह ,अशोक सिंह, एटक के पंकज गर्ग, सजल मित्रा, शिष्टा के एन जे जोल्हे, आर जी के सह क्षेत्र प्रबंधक अवधेश झा ,सी एम ओ डॉ बी प्रधान को आयोजन समिति ने बैज लगा कर स्वागत किया।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात बिश्रामपुर क्षेत्र एवं सी डब्ल्यू एस कोरबा के मध्य खेला गया जिसमें विश्रामपुर टीम 262 रन बनाए सेंट्रल वर्कशॉप कोरबा 102 रन जवाब में बनाएं विश्रामपुर टीम 158 रन से पहले मैच में विजेता बनी। आज के दूसरा मैच बैकुंठपुर क्षेत्र एवं रायगढ़ क्षेत्र के मध्य खेला गया । मैच में रायगढ़ ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी किया और 161रन बनाया उसके जवाब में 93 रन पर बैकुंठपुर आउट हो गई ।मैन ऑफ द मैच शशिकांत रायगढ़ एरिया को दिया गया जिसने 83 रन की पारी खेली। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विश्रामपुर टीम के एस के स्वाई ,कुमोद सिंह ,अमृतलाल, अवतार सिंह ,अशोक दास, घनश्याम ,रवि कुमार, सज्जाद हुसैन ,नितेश यादव आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उन्नीस दिसंबर तक चलेगा अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता-आज 12 दिसंबर से प्रारंभ

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 19 दिसंबर तक एकता स्टेडियम विश्रामपुर मे चलेगा। शुभारंभ के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एसकेपी शिंदे ने किया। प्रतियोगिता का समापन आगामी 19 दिसंबर को प्रात: 11 से प्रारंभ होगा जिसके मुख्य अतिथि कंपनी की निदेशक कार्मिक बिरांची दास के मुख्य अतिथि में एवं आलोक कुमार महाप्रबंधक सिविल कल्याण एवं अजय तिवारी क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा क्षेत्रीय कल्याण समिति एवं श्रमिक नेताओं की उपस्थिति में होगा।

ग्राम पंचायत गिरजापुर में चट्टानी नाला पर पुल निर्माण का भूमि पूजन

मुख्यमंत्री के सपनों का करेंगे साकार - राजवाड़े

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-विकासखंड उड़गी में चट्टानी नाला पर पुलिया निर्माण कार्य मनरेगा योजना अंतर्गत कार्य का भूमि पूजन लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री ने वीडियो कॉल के माध्यम से भूमि पूजन किया । मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी सरपंच श्रीमती उर्मिला सिंह मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े की उपस्थिति में स्वीकृत राशि 32 लाख 29 हजार से निर्मित होने वाले बहू प्रतिशत मांग की स्वीकृति प्रदान होने पर सरपंच पति गैराज सिंह द्वारा मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का आभार व्यक्त किया गया । इस अवसर पर भाजपा नता ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव जय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सपनों का साकार तीव्र गति से किया ज रहा है। आज का यह विकास कार्य उसी कड़ी का एक हिस्सा है जो निरंतर चलता रहेगा।कार्यक्रम में ठाकुर प्रसाद राजवाड़े के साथ राजेश तिवारी, बलराम सोनी ,केशव सिंह, संतोष सिंह ,चिंतामणि राजवाड़े राजेंद्र जैसवाल, उर्मिला सिंह, दुर्गा गुप्ता , उमेश गुर्जर ,आशीष प्रताप सिंह, विनीत यादव, जनपद सीईओ निपेंद्र सिंह, एसडीओ, रस मानवेंद्र सिंह सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे

बस स्टैंड, आश्रय स्थल, मुक्तिधाम एवं हॉकी स्टेडियम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

जशपुर नगर पालिका क्षेत्र के विकास हेतु कलेक्टर ने दिए निर्देश

जशपुर(विश्व परिवार)। जशपुर नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत व्यवस्थाओं के अवलोकन हेतु कलेक्टर रोहित व्यास ने बुधवार को प्रात:काल में निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने सर्वप्रथम बस स्टैण्ड का निरीक्षण करते हुए नगर पालिका के अधिकारियों को प्रतिदिन बस स्टैण्ड में सफाई कराने तथा नालियों के निर्माण एवं सफाई कराने को कहा। उन्होंने यहां पेयजल हेतु की गई व्यवस्था को दुरुस्त करवाने के भी निर्देश दिए। बस स्टैण्ड स्थित सामुदायिक शौंचालय पहुंच उन्होंने उसकी आवश्यक मरम्मत करवाने को कहा। उन्होंने बस स्टैण्ड में स्थित दीनदयाल उपाध्याय आश्रय स्थल का मुआयना करते हुए उसमें की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बस स्टैण्ड के स्वागत द्वार के रंग रोगन, सौंदर्यीकरण एवं लाईटिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एनईएस कॉलेज ग्राउंड में बने हॉकी स्टेडियम का अवलोकन करते हुए। यहां निर्माणाधीन मिनी स्टेडियम का भी अवलोकन किया। उन्होंने मैदान में अन्य खेलों के लिए भी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने मुक्तिधाम का भी अवलोकन किया। जहां उन्होंने रंग रोगन कराने, डस्टबिन लगवाने सहित अन्य मरम्मत के कार्य करवाने तथा मुक्तिधाम में क्षतिग्रस्त सड़क का जल्द से जल्द मरम्मत कराने को कहा। इसके बाद वे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पहुंचे जहां उन्होंने कर्मचारियों के लिए बने पार्क को विकसित करने तथा कॉलोनी की सड़कों में लाइटिंग कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी, विश्वास राव मस्के, नगर पालिका सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्विच मोबिलिटी दो नई लो फ्लोर इलेक्ट्रिक सिटी बसों - ईआईवी12 और ई1 के लॉन्च के साथ भारत, यूरोप और जीसीसी में शहरी गतिशीलता को फिर से परिभाषित करेगी

रायपुर। अशोक लीलैंड की सहायक कंपनी और हिंदुजा समूह का हिस्सा, स्विच मोबिलिटी लिमिटेड, जो इलेक्ट्रिक बसों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों का एक प्रमुख निर्माता है, ने आज भारतीय बाजार के लिए अपने समकालीन इलेक्ट्रिक बस प्लेटफॉर्म स्विच ईआईवी12 - लो फ्लोर इलेक्ट्रिक सिटी बस का अनावरण किया। यह चेसिस-माउंटेड बैटरी वाली भारत की पहली लो-फ्लोर सिटी बस है, जिसमें 400+ द्मङ्ख्द्ध से अधिक की स्केलेबल बैटरी क्षमता है। इस वाहन को भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी द्वारा हिंदुजा ग्रुप कंपनीज (भारत) के अध्यक्ष अशोक पी. हिंदुजा, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और उद्योग के नेताओं की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर, यूरोपीय बाजार के लिए डिज़ाइन की गई स्विच ई1 को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई गई। इन दोनों बसों में समान डिज़ाइन दर्शन और ईवी आर्किटेक्चर है। उद्देश्य से निर्मित स्विच ईआईवी12 प्लेटफ़ॉर्म को शहरी शहर के आवागमन के लिए स्वदेशी रूप से डिज़ाइन, विकसित और निर्मित किया गया है, जो प्रदर्शन, सुरक्षा, विश्वसनीयता और आराम में वैश्विक मानक प्रदान करता है। 39 यात्रियों तक की सीटिंग के साथ, स्विच ईआईवी12 अपने सेगमेंट में अग्रणी है, जो ऑपरेटरों के लिए अधिकतम राजस्व क्षमता प्रदान करता है। हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन श्री अशोक पी. हिंदुजा ने इन वाहनों को लॉन्च करते हुए कहा, ये बसें प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया विजन को समर्पित हैं: भारत में बनी, भारत और दुनिया के लिए। स्विच मोबिलिटी अत्याधुनिक तकनीक और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले नए वाहनों को लॉन्च करने के लिए प्रेरित है। केवल इसलिए क्योंकि भारत में मोदी जी जैसे दूरदर्शी और गडकरी जी जैसे कार्यान्वयनकर्ताओं के कारण शानदार सड़क बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है। स्विच मोबिलिटी के चेयरमैन श्री धीरज हिंदुजा ने कहा, स्विच ईआईवी12 का लॉन्च और स्पेन के लिए स्विच ई1 को हरी झंडी दिखाना हिंदुजा समूह और अशोक लेलैंड के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

जिला चिकित्सालय सूरजपुर जीवन दीप समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण नर्णय कलेक्टर की अगुवाई में हुई बैठक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति जिला चिकित्सालय सूरजपुर में बैठक संपन्न हुई। सिविल सर्जन के द्वारा जिसमें जिला चिकित्सालय में दी जा रही समस्त सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला चिकित्सालय के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये गये। जिला चिकित्सालय में कुछ प्राइवेट रूम की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया। सी0जी0एम0एस0सी0 द्वारा निर्माण किये गये जिला चिकित्सालय के शौचालय एवं सीवर लाइन के कार्य में लापरवाही से संबंधित नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। डामरीकरण रोड एवं स्टोर के कार्य को पूर्ण करने हेतु कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया। पी0एम0 रूम के सामने परिजनों के लिये शेड निर्माण, बैठक एवं पानी व्यवस्था कराये जाने के लिए सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया। ऑक्सीजन प्लांट के मरम्मतीकरण हेतु राज्य से लिखित पत्र प्राप्त होने एवं ऑक्सीजन पर होने वाले व्यय का आंकलन कर उचित कार्यवाही करने हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया। जीवन दीप समिति के आय-व्यय पर विस्तृत चर्चा की गई। जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट प्रबंधन स्टोर कक्ष में विद्युतीकरण एवं लिफ्ट निर्माण कार्य में विलम्ब से संबंधित नोटिस जारी करने हेतु कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देशित किया गया। एम0सी0एच0 विंग अंडरग्राउंड वाटर टैंक सीपेज से संबंधित कार्य हेतु सी0जी0एम0एस0सी0 को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। जिला चिकित्सालय के जनरेटर को ऑटोमेटिक पैनल को इंटरकनेक्ट किये जाने हेतु जीवन दीप समिति से करने हेतु निर्देशित किया गया। ड्रेनेज से संबंधित कार्य हेतु हाउसिंग बोर्ड को नगर पालिका से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला चिकित्सालय में गार्डन डेवलपमेंट से संबंधित कार्य के आवश्यक कार्यवाही हेतु उद्यान विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। एम0सी0एच0 विंग जिला चिकित्सालय के फॉल सीलिंग मरम्मतीकरण कार्य को जीवन दीप समिति से करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदाय करने हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानियां न हो । उक्त बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ./स.), कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कार्यपलन अभियंता छ.ग. विद्युत मंडल विभाग, कार्यपालन अभियंता सी0जी0एम0एस0सी0 सरगुजा संभाग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, आवासीय चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 गरिमा सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ0 कुलदीप द्विवेदी आयुष चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, अस्पताल प्रबंधक, मेट्रन, नर्सिंग सिस्टर उपस्थित थे।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)
पिन कोट - 191441 Email.id – gmch.rjn@gmail.com

क्रमांक/अस्प. अधी./क्रय शाखा/2024 / 8011 राजनांदगांव दिनांक 10/12/2024

।। निविदा आमंत्रण सूचना।।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.) के आर्थोपेडिक विभाग एवं डेंटल विभाग में लगने वाले आर्थोपेडिक अपलाईसेस, आर्थो प्रोस्थेसिस इन्स्टुमेंट एवं डेंटल इम्प्लान्ट्स सामग्री के लिये खुली निविदा आमंत्रित की जा रही है, इस हेतु अधिकृत कम्पनी एवं अधिकृत एजेंसियों से मुहरबंद निविदायें पंजीकृत डाक के माध्यम से उल्लेखित तिथि अनुसार आमंत्रित किया जाता है, जिसके नियम एवं शर्तो को प्रति कार्यालयीन दिवस पर प्रातः संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.) के से शाम 05.30 बजे तक शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मुख्य भण्डार से निविदा फार्म के साथ प्राप्त किया जा सकता है।

01. निविदा प्रपत्र मूल्य	- 1000.00 रुपया (वापसी अयोग्य)
02. निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभ तिथि	- 16.12.2024 से
03. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	- 30.12.2024 शाम 05.30 बजे तक
04. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	- 15.01.2025 शाम 03.00 बजे तक
05. निविदा खोले जाने की तिथि	- 15.01.2025 शाम 04.00 बजे से

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तन किया जा सकता है. जिसकी सुचना कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा किया जावेगा ।

जी - 242504485/3

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध
चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

वेदांता ने 52 सप्ताह का नया उच्च स्तर हासिल किया, शेयर प्राइस 526 तक पंहुचा

रायपुर। वेदांता लिमिटेड के शेयरों ने गुरूवार के ट्रेडिंग सत्र के दौरान 526.60 का 52 सप्ताह का नया उच्च स्तर छुआ। शेयर 521.05 पर बंद हुए, जिसमें 1.30% की बढ़त रही। वेदांता के शेयरों में वर्ष की शुरुआत से अब तक लगभग 102% की तेजी आई है, जो निफ्टी मेटल इंडेक्स की 919% की वृद्धि के मुकाबले 5 गुना बेहतर प्रदर्शन है। इस वित्तीय वर्ष में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2 लाख करोड़ का महत्वपूर्ण स्तर पार कर गया है। कंपनी के स्टॉक की मजबूती के पीछे कई कारक हैं। ब्रोकरेज और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने हाल के कुछ तिमाहियों में हुई प्रगति के आधार पर वेदांता पर अपने दृष्टिकोण को अपग्रेड किया है। ब्रोकरेज नुवामा और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने वेदांता के लिए क्रमश: 663 और 600 का मूल्य लक्ष्य रखा है। संचालन के मोर्चे पर, वेदांता वॉल्यूम वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रही है और चालू वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में दो प्रमुख परियोजनाओं को पूरा किया है। इनमें लांजीगढ़ रिफाइनरी विस्तार परियोजना की 1.5 एमटीपीए इकाई का कमीशनिंग और गोवा में 3 एमटीपीए क्षमता वाले बिचोलिम लौह अयस्क खनन का संचालन शामिल है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा कि वेदांता का समेकित परिचालन लाभ (श्वक्चढ्ढञ्ज्ररू, ङ्क्रज्ञ्ज्र को ब्रांड और प्रबंधन शुल्क को छोड़कर) वित्तीय वर्ष 2025 में ?45,000 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। यह मुख्य रूप से एल्यूमीनियम, जिंक इंटरनेशनल और लौह अयस्क खंडों में वॉल्यूम वृद्धि, जिंक और एल्यूमीनियम में लागत दक्षता में सुधार और स्वस्थ धातु कीमतों द्वारा समर्थित होगा। क्रिसिल ने वेदांता की दीर्घकालिक बैंक सुविधाओं और डेट इंस्ट्रूमेंट की रेटिंग को ;-' से बढ़ाकर ;' कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता का पितृ शोक नही रहे हृदय नारायण सिंह यादव

सूरजपुर ब्यूरो-(दैनिक विश्व परिवार न्यूज)- भाजपा नेता दीना नाथ सिंह यादव का पिता हृदय नारायण सिंह यादव का आज 90 वर्ष की अवस्था में दुखद निधन हो गया उनके आकस्मिक निधन से विश्रामपुर एवं पैतृक ग्राम में शोक का वातावरण है। भाजपा नेता व पुत्र दीना नाथ सिंह यादव ने बताया कि पिता बिल्कुल स्वस्थ थे किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं थी। अचानक सुबह चलते फिरते स्वर्ग सिधर गए। बहरहाल स्व यादव अपने पीछे दो पुत्र दीनानाथ यादव,भोला सिंह यादव , पुत्री शांति देवी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए है । स्वर्गीय यादव का समस्त अंतिम कार्यक्रम उनके पैतृक निवास उधपुरा दुर्गावती कैमूर बिहार में होगा।

स्विगी ने रायपुर में की 'बोल्ट' सर्विस की शुरुआत

रायपुरः भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी लिमिटेड ने रायपुर में अपनी सर्विस बोल्ट के विस्तार का एलान किया है, जिसके माध्यम से 10 मिनट में फूड डिलीवर किया जाता है। बोल्ट सर्विस लोकप्रिय रेस्टोरेंट एवं क्यूएसआर से मात्र 10 मिनट में डिलीवर करते हुए फ्रेश एवं क्विक-टु-प्रिपेयर फूड्स की डिलीवरी को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। स्विगी ने देशभर में 400 से ज्यादा शहरों में बोल्ट सर्विस का विस्तार किया है और 40,000 से ज्यादा रेस्टोरेंट्स के माध्यम से 10 लाख से ज्यादा फूड आइटम्स डिलीवर कर रही है। रायपुर के ग्राहक शहर के 193 रेस्टोरेंट्स के 13 क्यूजिन्स की 4.3 हजार डिशेज में से अपनी पसंदीदा डिश ऑर्डर कर सकेंगे।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड किसानों को सशक्त बनाने के लिए अभूतपूर्व मृदा मानचित्रण पहल के साथ सतत कृषि में अग्रणी

रायपुरः सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (बीएसई: 543688, एनएसई: सर्वेश्वर), एफएमसीजी क्षेत्र में एक उभरता हुआ लीडर और हिमालय के तलहटी से प्रीमियम बासमती चावल के लिए एक विश्वसनीय नाम, भारत के कृषि परिदृश्य में एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। कंपनी मिट्टी की सेहत पर विशेष ध्यान देकर स्थायी कृषि प्रथाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का नेतृत्व कर रही है। सर्वेश्वर फूड्स की स्थिरता के प्रयासों का केंद्र बिंदु उसका नवोन्मेषी मिट्टी मानचित्रण कार्यक्रम है। यह पहल कंपनी की रणनीति का मुख्य आधार है, जिसका लक्ष्य मिट्टी की सेहत में सुधार और फ़सल पैदावार को अधिकतम करना है। सभी सहयोगी किसानों के लिए स्थान-विशिष्ट मिट्टी आकलन प्रदान करके, सर्वेश्वर सुनिश्चित करता है कि उर्वरक उपयोग और सिंचाई प्रथाओं के लिए सटीक और वैज्ञानिक सिफारिशें दी जाएं, जिससे हानिकारक रसायनों के अधिक उपयोग का जोखिम कम होता है और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। पिछले कुछ महीनों में, सैकड़ों मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं, जो आर.एस. पुरा, पलवनवाला, परगवाल और बिश्नाह जैसे प्रमुख कृषि क्षेत्रों में लगभग 1,000 एकड़ के बासमती-द्दह्य2द्बद्ध क्षेत्रों को कवर करते हैं। ये कार्ड किसानों को मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, इनपुट लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए अनुकूलित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

एनईसीसी लिमिटेड ने ग्रीन लॉजिस्टिक के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए नई गोदाम सुविधा विकसित करने की घोषणा की

रायपुरः घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक सामान परिवहन में अग्रणी कंपनी, नॉर्थ ईस्टर्न कैरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनईसीसी) ने हाल ही में एक व्यावसायिक अपडेट की घोषणा की है। एनईसीसी गुड़गाँव के पास ताऊरु में अपनी साइट पर 183,000 वर्ग फुट की अत्याधुनिक गोदाम सुविधा विकसित करने की प्रक्रिया में है। यह एकीकृत सुविधा 5 एकड़ भूमि पर बनाई जाएगी और इसमें कर्मचारियों के लिए आवास सुविधाएँ, कुशल भंडारण के लिए बहु-स्तरीय रैकिंग सिस्टम, आधुनिक इलेक्ट्रिक सामग्री हैंडलिंग उपकरण और छत पर लगे 2 मेगावाट सौर ऊर्जा शामिल होंगे। यह नई सुविधा एनईसीसी के प्रॉफ़िटबलिटी पर एक बड़ा प्रभाव डालेगी, क्योंकि हमने आगामी गोदाम के लिए पहले ही व्यापार सुरक्षित कर लिया है। यह परियोजना कंपनी के भंडार से पूरी तरह से वित्तपोषित की जा रही है। यह सुविधा भारत भर में स्थायी, एकीकृत लॉजिस्टिक केंद्र बनाने के लिए कंपनी के भविष्य के दृष्टिकोण को भी दर्शाती है। इन-हाउस सौर क्षमता के साथ, एनईसीसी को कम इनपुट लागत और बेहतर दक्षता का लाभ मिलेगा।

विष्णु के सुशासन से सँवर रहा छत्तीसगढ़

सुशासन और विश्वास के जनादेश के 1 वर्ष

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

श्री जेपी नड्डा जी

का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर

हार्दिक अभिनंदन...

जनादेश परब

विशाल जनसभा

दोपहर 02:00 बजे

साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

श्री जेपी नड्डा जी

के करकमलों द्वारा

स्मृति मंदिर

का

लोकार्पण

सायं 04:30 बजे

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय
कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर, छत्तीसगढ़

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ATUL

सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल

25 रजत जयंतीवर्ष छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन

जनादेश परब

पर प्रदेश की जनता का कोटि-कोटि आभार...

13 दिसम्बर 2024

श्री जगत प्रकाश नड्डा
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

SAMVAD- 42399/ 85